हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, रविवार 10 मई 2026

11 राजकीय कॉलेज में एमएससी फिजिक्स...

12 नगर पालिका कनीना उपचुनाव आज : कनीना वार्ड नं.14...

सफलता की ओर बढ़ते कदम...
Believe in Result not in Words...

आपके बच्चों के लिए एक बेहतर विकल्प...

OASIS International School, Narnaul
An English medium school | Affiliated to CBSE, Aff. No. 531555
Contact No. : 8570852875 8570852874 8570852871

Affiliated to CBSE, Aff. No. 530519
AISHLY Public School, Ateli Mandi
In the service of humanity
Contact No. : 8278911900 8278911905 8570852875

Our 10th Class Result 2026

ALLENN ONLINE SCHOOL ACADEMIC EXCELLENCE PROGRAM
NCERT Advanced (Foundation) Classes 6th to 10th
JEE & NEET Std. 11th & 12th
OASIS ALLEN

OASIS INTERNATIONAL SCHOOL

NARNAUL BLOCK TOPPER
98.8% JAYANT S/O SH. BHAWANI (AMARPUR JORASI)
97.4% NANCY S/O SH. AMIT (FAIZABAD)
96.4% AAYUSH S/O SH. SANDEEP (GOAD)
96.4% VIVEK S/O SH. KARAMVEER (RAMBASS)

95.4% MUKUND S/o Sh. HARIOM (NARNAUL)
95.4% NAMRATA D/o Sh. SHYAM LAL (NARNAUL)
95.2% CHARU D/o Sh. DEEPAK (NARNAUL)
95% MAYANK S/o Sh. RAJBEER (RAGHUNATHPURA)
93.8% DEEPANSHU S/o Sh. RAVINDER (NARNAUL)
93.6% RIYA D/o Sh. SUNIL (CHURINA)
93% MANAS S/o Sh. KRISHAN (NEERPUR)
92.6% HIMANSHI D/o Sh. RAM SINGH (MAROLI)
92.6% AAROHI D/o Sh. ROSHAN (NANGAL SHALU)
92.4% SALIN S/o Sh. SUNIL KUMAR (DHOSI)
91.8% CHIRAG S/o Sh. PAWAN (NARNAUL)
91.6% RANJAL RAO D/o Sh. RAJENDER (NANGAL PIPA)
91.6% RAKSHITA D/o Sh. RAJPAL (THANA)
91% DIVYANSHU S/o Sh. RAKESH (HOUSING BOARD)
90.8% ADITYA S/o Sh. MAHESH (NARNAUL)
90.8% GAUTAM S/o Sh. PURSHOTAM (NARNAUL)
90.6% BHAVESH S/o Sh. OM PRAKASH (NARNAUL)
90.6% SUNNY S/o Sh. RAMNIWAS (THANA)
90.2% YASH S/o Sh. RADHEYSHYAM (NARNAUL)
89.8% HARSHIT S/o Sh. KRISHAN (NARNAUL)
88.6% SWATI D/o Sh. SURENDRA (THATHWARI)
88% GOVIL S/o Sh. MAHESH (DOCHANA)
87.8% YESHNA D/o Sh. SANDEEP (NARNAUL)
86.8% YASHVI D/o Sh. JOGENDER (GEHLI)
85.6% NANSI D/o Sh. VINOD (DHOSI)
85.4% MUKUL S/o Sh. SHEEL KUMAR (HOUSING BOARD)
85.4% HIMANSHU S/o Sh. SURENDER (DHANOTA)
85.4% JATIN S/o Sh. MAHAVEER (RAGHUNATHPURA)
85.4% HARDIK S/o Sh. RAJPAL (KULTAJPUR)
85.2% BHANU D/o Sh. RAKESH (NARNAUL)
85.2% SACHIN S/o Sh. RAJPAL (KORIAWAS)
85.2% SWATI D/o Sh. HITESH (KORIAWAS)
85% PREM S/o Sh. HARISH (NARNAUL)
84.8% KUNAL S/o Sh. KAPIL (AZAM NAGAR)
83.4% SHIVANSHU S/o Sh. NITIN SONI (NARNAUL)
83% MEHAK D/o Sh. RAVINDER (MANDI)
82.6% PRIYA D/o Sh. ANAND (NARNAUL)
82.4% NIKITA D/o Sh. SARJEET (THATHWARI)
82.4% LAXMI D/o Sh. KRISHAN (NARNAUL)
82% HIMANSHU S/o Sh. BIKRAM SINGH (JADUPUR)
81.8% SONAM D/o Sh. NARESH (RAMBASS)
81.4% DEEPIKA D/o Sh. DALIP (RAMBASS)
81.2% ANIKET S/o Sh. RAVIDUTT (ATALI)
80.4% LAKSHYA D/o Sh. SUNIL (NARNAUL)

Himanshu S/o Gautam (Dhosi) Selected in RAS

AISHLY PUBLIC SCHOOL, ATELI MANDI

GAURAV S/O SH. PAWAN KUMAR (ATELI MANDI)
ATELI BLOCK TOPPER MATHS 100/100
97.8% HARSH GARG S/O SH. ARUN KUMAR (ATELI MANDI)

94.6% PRAKASH S/o Sh. JAGDISH (NEERPUR)
94.2% AYAMA D/o Sh. KERIBULLA (ATELI MANDI)
93.2% GAURAV S/o Sh. PAWAN (ATELI MANDI)
93% JATIN S/o Sh. MANOJ (SALIMPUR)
93% SOURABH S/o Sh. SANJAY (MIRZAPUR)
90% TANNU D/o Sh. PRAVEEN (PRITHVIPURA)
90% MAYANK S/o Sh. HEMANT (ATELI MANDI)
87.2% GAGAN S/o Sh. RAVINDER (BIHALI)
86.2% BHUMIKA D/o Sh. MAMRAJ (KANTI)
85.4% LUCKY S/o Sh. NARENDER (UNINDA)
84.4% LOKENDER S/o Sh. RANVEER (KAYSA)
84.2% JATIN S/o Sh. OMBIR (NEERPUR)
84.2% PRADUMAN S/o Sh. TEJ SINGH (BIHALI)
83.8% CHHAVI D/o Sh. JAIPAL (BACHHOD)
83.8% DHRUV S/o Sh. PAWAN (NEERPUR)
83% GAGANDEEP S/o Sh. PRADEEP (SAIDPUR)
82.4% JIVIKA D/o Sh. SATENDER (KHERI)
81.8% DIPESH S/o Sh. VINOD (MIRZAPUR)
80.4% VARUN S/o Sh. SUBHASH CHAND (DUBLANA)
79.8% RAJAT S/o Sh. RAKESH (KUNJPURA)
79.2% TUSHAR S/o Sh. SURESH (BEGPUR)
78.4% RUDRA S/o Sh. RAKESH (KALWARI)
78.2% ISHU S/o Sh. ISHWAR (KAYSA)
75.2% TANISHA D/o Sh. PAWAN (GARHI RUTHAL)
75% PUNIT S/o Sh. VISHNU (SAIDPUR)
75% SAPNA D/o Sh. BIJENDER (SAIDPUR)

Heartiest !! Congratulations !!
For JEE (Mains) 2026
KSHITIJ S/O Sube Singh
AIR 274 (General Category)
AIR 42 (OBC-NCL Category)
ALLEN OASIS
स्कूल के साथ-साथ FOUNDATION | NEET | JEE की भी तैयारी

गणेशपुरा के साहिल ने अलमाडी कजाकिस्तान में हुई यूरेशियन स्ट्रांग जेनरेशन 5 प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल प्राप्त किया।

FOUNDATION CLASSES
CLASS 6TH TO 10TH
Strong Concept Building
Olympiads | NTSE | Board Preparation
The Right Start for a Bright Future

11TH & 12TH (SCIENCE)
JEE | NEET | BOARD
Expert Faculty from ALLEN
Advanced Study Material
Regular Tests & Performance Analysis

PREPARE TODAY ACHIEVE TOMORROW

EXPERT FACULTY | ALLEN STUDY MATERIAL | REGULAR TESTS & DOUBT CLEARING

OASIS SCHOOL
The Right Place.
The Right Guidance.
The Right Future.

ALLEN CAREER INSTITUTE KOTA (RAJASTHAN)

नौवें दिन भी जारी रही नगर पालिका कर्मचारियों की हड़ताल

कर्मियों की मांगों की आवाज विधानसभा से सड़क तक उठाएंगे : राव नरेंद्र सिंह

अग्निशमन विभाग के कर्मचारी 32वें दिन भी धरने पर डटे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर नगर पालिका कर्मचारी सेवा इकाई नारनौल की काम छोड़ हड़ताल शुक्रवार को नौवें दिन भी जारी रही। वहीं अग्निशमन विभाग के कर्मचारी भी अपनी मांगों को लेकर लगातार 32वें दिन धरने पर डटे रहे। संयुक्त धरने की अध्यक्षता नगर पालिका कर्मचारी संघ इकाई के प्रधान भूपेंद्र सारवन ने की। धरने पर बड़ी संख्या में नगर पालिका एवं फायर विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को जल्द पूरा करने की मांग उठाई। धरने के दौरान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह कर्मचारियों के बीच पहुंचे और उनकी समस्याएं सुनीं। कर्मचारियों ने उन्हें अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा।

इस दौरान राव नरेंद्र सिंह ने कर्मचारियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि उनकी जायज मांगों की आवाज संसद से लेकर चंडीगढ़ तक मजबूती से उठाई जाएगी। उन्होंने कहा कि लंबे समय से कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी समस्याओं का समाधान करने के बजाय अनदेखी कर रही है। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि नगर पालिका एवं अग्निशमन विभाग के कर्मचारी जनता को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे कर्मचारियों को अपनी मांगों के लिए सड़कों पर बैठने को मजबूर होना पड़ रहा है, जो सरकार की कार्यशैली पर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के साथ संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं का समाधान किया जाना चाहिए। इस दौरान उन्होंने कर्मचारियों की मांगों को जायज बताते हुए भाजपा सरकार पर कर्मचारियों की लगातार अनदेखी और शोषण करने का आरोप लगाया। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण कर्मचारी वर्ग खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। नगर पालिका, सफाई एवं फायर विभाग के कर्मचारी लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी समस्याओं का समाधान करने की बजाय उन्हें नजरअंदाज कर रही है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों से लगातार काम लिया जा रहा है, लेकिन उन्हें स्थायी रोजगार, उचित वेतन, सामाजिक सुरक्षा और अन्य मूलभूत सुविधाएं देने में सरकार पूरी तरह विफल रही है। राव नरेंद्र सिंह ने आंदोलनरत कर्मचारियों को भरोसा दिलाया कि कांग्रेस पार्टी उनकी आवाज को विधानसभा से लेकर सड़क तक मजबूती से उठाएगी। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि आज प्रदेश में हर वर्ग परेशान है। कर्मचारी, किसान, युवा और व्यापारी सभी भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों से त्रस्त हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार केवल बड़े-बड़े दावे और प्रचार करने में व्यस्त है, जबकि जमीनी स्तर पर कर्मचारियों की स्थिति लगातार बदतर होती जा रही है। उन्होंने सरकार से मांग की कि नगर पालिका एवं फायर विभाग के कर्मचारियों की लंबित मांगों को तुरंत प्रभाव से पूरा किया जाए, कच्चे कर्मचारियों को पक्का किया जाए तथा कर्मचारियों के साथ हो रहे अन्याय को बंद किया जाए। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि अग्निशमन के कर्मचारी हर समय अपनी जान जोखिम में डालकर कार्य करते हैं व लोगों की सेवा में डटे रहते हैं इसलिए हाल ही में ड्यूटी के दौरान अपनी जान गंवाने वाले अग्निशमन कर्मियों के परिजनों को एक एक करोड़ रुपए व परिवार में एक सरकारी नौकरी देने की मांग की ।

नारनौल। धरने को संबोधित करते कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह। फोटो : हरिभूमि

यह बोले प्रधान

धरने को संबोधित करते हुए नगर पालिका कर्मचारी संघ इकाई प्रधान भूपेंद्र सारवन ने कहा कि जब तक हरियाणा सरकार कर्मचारियों की मांगों का समाधान नहीं करती, तब तक हड़ताल जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि कर्मचारी संगठन लगातार सरकार से बातचीत कर समाधान निकालने की मांग करता रहा है, लेकिन सरकार ने कर्मचारियों की बातों को गंभीरता से नहीं लिया। इसी कारण कर्मचारियों को मजबूर होकर हड़ताल का रास्ता अपनाना पड़ा। उन्होंने कहा कि सरकार को चाहिए कि कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधिमंडल के साथ तुरंत वार्ता कर समस्याओं का समाधान निकाले, अन्यथा आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में हड़ताल का दायरा और बढ़ सकता है, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

ये रहे मौजूद

धरने के दौरान कर्मचारियों ने एकजुटता दिखाते हुए अपनी मांगों के समर्थन में जोरदार नारे लगाए। इस मौके पर राव नरेंद्र सिंह के साथ आए नपा के पूर्व उपाध्यक्ष कैलाश सोनी, वरिष्ठ कांग्रेसी सूरज बौहरा, नांगतिहाड़ी के पूर्व सरपंच सुरेंद्र पाराशर, अनिल सैनी तथा नगर पालिका कर्मचारी संघ के राज्य कैशियर महेंद्र सिंह सांगलिया, सर्व कर्मचारी संघ के राज्य सचिव महेंद्र बोयत, जिला प्रधान कौशल यादव, महावीर प्रसाद, भीम सिंह, निरंजन लाल, जसवंत, राजू, रोशन, विक्की, विक्रांत, प्रदीप, रमाकांत, रमन, लखन, नीरज, विनोद, जोगिंदर, रमेश, ममता, सुनीता, मिन्नू, मंजू, बबीता, मनोज देवी, सावित्री, सविता, पूनम, सुनीता, बबली सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे।

महेंद्रगढ़। शहर में विरोध प्रदर्शन करते कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

सफाई कर्मचारियों ने सरकार के प्रति किया विरोध प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों की हड़ताल नौंवे दिन भी जारी रहीं। इस दौरान कर्मचारियों ने शहर में सरकार के प्रति विरोध प्रदर्शन किया। इसके अलावा कर्मचारियों ने सरकार के प्रति जमकर नारेबाजी भी की। कर्मचारियों का यह प्रदर्शन नगर पालि कार्यालय से शुरू होकर शंकर मार्केट, बालाजी चौक, विश्वकर्मा चौक, आंबेडकर चौक होते नगर पालिका कार्यालय में समाप्त हुआ। इस दौरान नगर पालिका कर्मचारी संघ प्रधान पूर्ण कुमार ने बताया कि, यह हड़ताल प्रदेशभर के नगर निगमों, नगर पालिकाओं और नगर परिषदों में हो रही है।

हड़ताल का असर शहर के लगभग सभी वार्डों में साफ देखा जा रहा है। मुख्य बाजार, कॉलोनियों और सड़कों के किनारे कूड़े के ढेर जमा हो गए हैं। कई जगहों पर कूड़ा कई दिनों से नहीं उठाया गया, जिससे दुर्गंध फैल रही है और लोगों का वहां से गुजरना भी मुश्किल हो गया है।

स्थिति यह है कि नालियां भी जाम होने लगी हैं, जिससे जलभराव की समस्या उत्पन्न हो सकती है। गर्मी के मौसम में कूड़े के ढेर मच्छरों और अन्य कीटों के पनपने का कारण बन सकते हैं, जिससे डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

शहर में चरमराई सफाई व्यवस्था

शहर में साफ-सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। हड़ताल के नौंवे दिन शहर के कई इलाकों में कूड़े के ढेर लग गए हैं, जिससे आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि शहर की सफाई व्यवस्था डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन के कर्मचारियों ने कूडे प्वाइंट पर सफाई व्यवस्था संभाली हुई हैं। लेकिन नालियों की सफाई व सड़क पर झाडू नहीं लगने से सफाई व्यवस्था चरमराई हुई हैं।

बीआर स्कूल में मनाया मातृ दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

बीआर आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेहलंग में मातृ दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विद्यालय चेयरमैन हरिश भारद्वाज एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही विद्यालय प्राचार्या ज्योति भारद्वाज द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती पूजन के साथ किया गया। कार्यक्रम में नर्सरी से द्वितीय कक्षा तक के विद्यार्थियों ने अपनी माताओं के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग नृत्य, सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल गतिविधियां एवं माता-बच्चा गतिविधियां आकर्षण का केंद्र रहीं। बच्चों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों के माध्यम से मातृ शक्ति के प्रति प्रेम, सम्मान एवं आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान माताओं ने अपने बच्चों के साथ मिलकर आर्ट एंड क्राफ्ट एवं पेंटिंग गतिविधियों में भी भाग लिया। माताओं एवं बच्चों की रचनात्मक सहभागिता ने कार्यक्रम को और अधिक आकर्षक एवं यादगार बना दिया। विद्यालय परिसर में भावनात्मक एवं उत्साहपूर्ण वातावरण देखने को मिला।

महेंद्रगढ़। मातृ दिवस कार्यक्रम में प्रस्तुति देते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

युवाओं ने बाबा मुकंददास गोशाला में की सेवा

नारनौल। क्षेत्र में सामाजिक सेवा के कार्यों में सक्रिय युवा साथी ग्रुप हरियाणा व उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोठा की ओर से बाबा मुकंददास गोशाला में गोसेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान संस्था सदस्यों ने गोशाला में पहुंचकर गायों के लिए चारा, सवामणी व अन्य व्यवस्थाओं में सहयोग किया। कार्यक्रम में योगेश सैनी, मनोज ठाकुर, हिम्मत, सौरभ राजपूत, नरेंद्र, तनुज, अर्पित गोयल, गुल्लू पंडित, रविंद्र सैनी सहित कई युवा उपस्थित रहे। संस्था के सक्रिय सदस्य योगेश सैनी ने बताया कि युवा साथी ग्रुप हरियाणा व उड़ान जनसेवा ट्रस्ट लगातार सामाजिक और धार्मिक कार्यों में भाग ले रहे है।

मॉडर्न स्कूल में हुआ अध्यापक-अभिभावक सम्मेलन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल चामधेड़ा रोड में शनिवार को अध्यापक-अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अभिभावकों, विद्यार्थियों तथा विद्यालय स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सम्मेलन का उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, अनुशासन तथा सर्वांगीण विकास को लेकर अभिभावकों और शिक्षकों के बीच संवाद स्थापित करना रहा।

जगदीश यादव पाल एवं शेरसिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों का विद्यालय प्रबंधन द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान छोटे-छोटे विद्यार्थियों द्वारा मातृदिवस को लेकर रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिनमें देशभक्ति गीत, समूह नृत्य तथा प्रेरणादायक लघु प्रस्तुतियां शामिल रहीं। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित अभिभावकों का मन मोह लिया और सभी ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका उत्साहवर्धन किया। चेयरमैन सतन सिंह ने कहा कि विद्यालय शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थियों के नैतिक एवं सामाजिक विकास पर भी विशेष ध्यान दे रहा है। उन्होंने मॉडर्न फाउंडेशन टेस्ट के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस परीक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता का मूल्यांकन किया जाता है, जिससे उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में सहायता मिलती है। प्राचार्य प्रदीप कुमार तंवर ने कहा कि अध्यापक-अभिभावक सम्मेलन विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

महेंद्रगढ़। अभिभावकों को संबोधित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

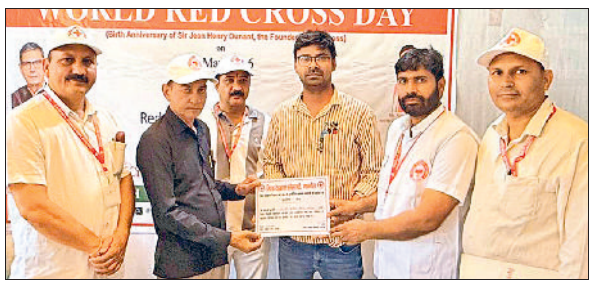

नारनौल। रेडक्रॉस का सम्मान प्राप्त करते समिति पदाधिकारी कृष्ण यादव।

रक्तदान करने पर माता सती वेलफेयर समिति सम्मानित

नारनौल। जिला रेडक्रॉस सोसायटी की ओर से विश्व रेडक्रॉस दिवस पर माता सती वेलफेयर समिति गहली को सम्मानित किया गया। इस मौके पर यह सम्मान समिति के पदाधिकारी कृष्ण यादव नीरपुर ने प्राप्त किया। समिति को यह सम्मान जिला रेडक्रास सोसायटी की ओर से आयोजित रक्त दान शिविरों में बहुमूल्य योगदान देने पर प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। रेडक्रॉस सैक्रट्री बलवान सिंह ने कहा कि सिकंदर गहली के नेतृत्व में माता सती वेलफेयर समिति बड़े सराहनीय कार्य कर रही है। समिति न केवल रेडक्रॉस के रक्तदान शिविरों में भाग लेती है, बल्कि खुद भी रक्तदान शिविर आयोजित करके नए नए रिकार्ड बनाती रहती है। इसके अलावा समिति सामाजिक दायित्वों को भी बखूबी निभा रही है। समिति की ओर से पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण किया गया है और गोसेवा एवं राहगीरों के लिए छबील लगाकर जनसेवा के कार्य भी किए गए हैं।

बीआर ज्ञानदीप विद्यालय सुरजनवास में हुआ अध्यापक-अभिभावक सम्मेलन

- सम्मेलन में विभिन्न शैक्षणिक और सह-शैक्षणिक गतिविधियों पर हुई चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

बीआर ज्ञानदीप विद्यालय सुरजनवास में अध्यापक-अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालय प्राचार्य रामबीर यादव और चेयरमैन रूपराम यादव उपस्थित रहे। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के शैक्षिक विकास और अभिभावकों की सहभागिता को बढ़ावा देना था। सम्मेलन में विभिन्न शैक्षणिक और सह-शैक्षणिक गतिविधियों पर चर्चा की गई, जिसमें विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति, परीक्षा परिणामों का विश्लेषण, तथा भविष्य में सुधार के लिए योजना पर जोर दिया गया। अध्यापकों ने अभिभावकों को उनके बच्चों की शिक्षण शैली, कक्षा में उनकी सक्रियता, और किसी प्रकार की कठिनाइयों की जानकारी दी, जिससे बच्चों के विकास में अभिभावकों का सहयोग लिया जा सके। प्राचार्य रामबीर यादव ने विद्यालय के आगामी कार्यक्रम और शिक्षण योजनाओं के बारे में भी विस्तार से बताया। उन्होंने अभिभावकों को यह समझाया कि बच्चों के लिए शैक्षिक वातावरण के साथ-साथ एक अनुशासित जीवनशैली का महत्व भी कितना जरूरी है। उन्होंने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अध्यापक-अभिभावक के बीच आपसी संवाद और समझ बहुत जरूरी है। चेयरमैन रूपराम यादव ने भी इस अवसर पर अभिभावकों को संबोधित किया और उन्हें विद्यालय की ओर से हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया।

महेंद्रगढ़। सम्मलेन में अभिभावकों से चर्चा करते हुए। फोटो : हरिभूमि

निक्षय शिविर, 30 संभावित टीबी मरीजों के सैंपल लिए

मंडी अटेली। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत गांव सिलारपुर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा निक्षय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में प्राथमिक हेल्थ सेंटर की प्रभारी डॉ. राहुल के नेतृत्व में स्वास्थ्य टीम ने ग्रामीणों की जांच कर उन्हें टीबी के प्रति जागरूक किया। शिविर के दौरान 50 लोगों के एक्स-रे किए गए तथा 60 ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच की गई। जांच के दौरान खांसी, जुकाम, बुखार और लगातार थकान जैसी समस्याओं से ग्रसित 30 संभावित टीबी मरीजों की पहचान की गई। इन मरीजों के बलगम के नमूने एकत्र कर उन्हें निक्षय पोर्टल पर अपलोड किया गया। स्वास्थ्य कर्मी अनिल कुमार ने ग्रामीणों को टीबी के लक्षण बचाव और समय पर उपचार के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दो सप्ताह से अधिक समय तक खांसी रहना, शाम के समय हल्का बुखार, वजन घटना और भूख कम लगना टीबी के प्रमुख लक्षण हैं।

नारनौल। कार्यक्रम में भाग लेते बच्चे। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा स्कूल में यादों का पिटारा के साथ जीवंत हुआ बचपन

नारनौल। हरियाणा पब्लिक स्कूल में मातृ दिवस के पावन अवसर पर यादों का पिटारा थीम के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता विद्यालय के डायरेक्टर पुष्करमल वर्मा ने की। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आधुनिकता की दौड़ में पीछे छूट गई बचपन की सुनहरी यादों को माताओं के साथ साझा करना और उन्हें उनके बचपन के आंगन में वापस ले जाना था। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण वे खेल रहे हैं, जो कभी हमारी गलियों की शान हुआ करते थे। विद्यालय परिसर उस समय तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा जब माताओं ने सहर्ष पोशम्पा, पांच गट्टे, पिट्ठु और रस्सी कूदना जैसे खेल खेलकर बचपन की शरारतों को याद किया। एमडी निधि वर्मा ने कहा कि आज माताओं व बहनों का आशीर्वाद पाकर धन्य महसूस कर रही है। प्राचार्य सुनील कुमार ने कार्यक्रम का समापन करते हुए कहा कि यह आयोजन मात्र एक उत्सव नहीं, बल्कि माताओं के त्याग और उनके भीतर छिपे उस मासूम बचपन को नमन करने का एक प्रयास था।

बच्चों ने कला, संस्कृति और सृजन से मां को किया नमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हैप्पी एवरग्रीन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मातृ दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित विशेष कार्यक्रम भावनाओं, सृजनात्मकता और सांस्कृतिक रंगों से सराबोर रहा। विद्यालय परिसर में दिनभर मां के प्रति प्रेम, सम्मान और कृतज्ञता की अद्भुत झलक देखने को मिली। नर्सरी से लेकर कक्षा 12वीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लेते हुए अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से सभी का हृदय जीत लिया। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय की सभी विंग प्रभारियों की अध्यक्षता में किया गया। प्राचार्य डॉ. जेएस कुंतल, मैनेजर चंचल अग्रवाल, प्रबंध निदेशक मनीष अग्रवाल, संचालक सुभाष चंद्र अग्रवाल एवं उपसंचालिका कौशल्या अग्रवाल ने कहा कि मां जीवन की प्रथम गुरु होती है। वहीं बच्चे की पहली पथ-प्रदर्शिका, प्रेरणा का स्त्रोत तथा त्याग, तपस्या और सहनशीलता की साक्षात प्रतिमूर्ति होती है। मां के संस्कार ही बच्चे के व्यक्तित्व की वास्तविक नींव रखते हैं।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

मोडावाला मंदिर के जिलास्तरीय कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव करेंगी शिरकत

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर उमड़ेगी श्रद्धा: कल सांस्कृतिक पुनर्जागरण का साक्षी बनेगा जिला

- पीएम नरेंद्र मोदी सोमनाथ व सीएम नायब सिंह सैनी कुरुक्षेत्र से करेंगे संबोधित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

श्री सोमनाथ मंदिर के वर्तमान स्वरूप की प्राण प्रतिष्ठा के 75 गौरवशाली वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आगामी 11 मई को जिला महेंद्रगढ़ सोमनाथ स्वाभिमान पर्व को एक उत्सव के रूप में मनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। जिला स्तरीय कार्यक्रम में हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत करेंगी। वहीं पूर्व मंत्री एवं विधायक ओमप्रकाश यादव और महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे।

यह जानकारी देते हुए उपायुक्त अनुपमा अंजलि ने बताया कि इस ऐतिहासिक अवसर पर जन जन को जोड़ने के लिए प्रशासन ने विस्तृत रूपरेखा तैयार की है। महोत्सव का शुभारंभ 11 मई को सुबह नौ बजे श्री गोपाल गोशाला के सामने स्थित श्रीश्याम मंदिर से होगा, जहां से एक विशाल कलश यात्रा निकाली जाएगी। महिलाओं की विशेष भागीदारी वाली यह भव्य यात्रा रेवाड़ी रोड से होते हुए मोडावाला मंदिर पहुंचेगी। यहा श्रद्धापूर्वक जलाभिषेक होगा। डीसी ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान आध्यात्मिक चेतना का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। सुबह 10 से 12 बजे के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात के सोमनाथ से राष्ट्र को संबोधित करेंगे, जबकि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी कुरुक्षेत्र से राज्य स्तरीय समारोह के माध्यम से प्रदेश की जनता से जुड़ेंगे।

कार्यक्रम का किया जाएगा सीधा प्रसारण

इस कार्यक्रम का मोडावाला मंदिर परिसर में डिजिटल स्क्रीन के माध्यम से सीधा प्रसारण किया जाएगा। नई पीढ़ी को अपनी विरासत से जोड़ने के लिए स्थानीय स्तर पर भजन कीर्तन, रंगोली और प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर जैसे हैशटैग्स के माध्यम से युवा इस डिजिटल उत्सव का हिस्सा बन सकेंगे। उन्होंने आम नागरिकों से आह्वान किया कि वह इस जिला स्तरीय कार्यक्रम में बढ़ चढ़कर भाग लें। इसके अलावा सभी मंदिरों के प्रबंधकों से भी आह्वान की है कि वह इस दिन मंदिरों में विशेष सजावट करते हुए इस लाइव कार्यक्रम को देखें। इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए भी देखा जा सकेगा।

सांस्कृतिक अहीरवाल संगठन के विस्तार से मिलेगी काम को गति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

सांस्कृतिक अहीरवाल के जिला संयोजक सतीश यादव खेड़ा ने प्रेस के नाम जारी बयान में कहा कि सांस्कृतिक अहीरवाल के कार्य को गति देने के लिए नई नियुक्ति की है। इनमें जिला कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए नरेश यादव आकोदा, सूबेदार जगराम निजामपुर, ओमप्रकाश रावत नायन, राजेश शास्त्री नारनौल, कैप्टन रामकिशन यादव, शहरपुर, पूर्व प्राध्यापक ओमप्रकाश यादव नारनौल को जिला कार्यकारिणी में शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त हंसराज गुर्जर को निजामपुर, राजवीर यादव को नांगल चौधरी, सत्यवीर थानेदार नारनौल, मनीराम यादव नारनौल, ओंकार सरपंच महेंद्रगढ़, अजय सतनाली, सुरेंद्र पूर्व सरपंच जेरपुर को आकोदा, मास्टर धर्मपाल को सिहमा, सत्येन्द्र शास्त्री को कनीना इकाई का संयोजक नियुक्त किया गया हैं। सतीश यादव ने बताया कि सांस्कृतिक अहीरवाल के निदेशक सत्यव्रत शास्त्री से विचार कर जिला कार्यकारिणी एवं अन्य कार्यकर्ताओं को दायित्व दिया गया है। इन सभी का पिछले पांच वर्षों में संगठन के लिए काम करने का अनुभव को ध्यान में रखते हुए घोषणा की गई है। उन्होंने विश्वास जताया की जिस प्रकार से सांस्कृतिक अहीरवाल संस्कृति के लिए समर्पित होकर उसकी प्राचीन संस्कृति सभ्यता को वैश्विक मंच पर स्थापित करना चाहता है, उसमें इन लोगों की बड़ी भूमिका होगी। उन्होंने बताया पिछले दिनों सांस्कृतिक अहीरवाल के नौ जिलों के जिला संयोजक की घोषणा की गई थी। उसी क्रम में अब जिला व खंड ईकाई के संयोजक की घोषणा की गई है।

एमआर स्कूल में मातृ दिवस का रंगारंग आयोजन

नारनौल। कार्यक्रम में भाग लेते बच्चे। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। एमआर पब्लिक स्कूल मित्रपुरा में मातृ दिवस के उपलक्ष्य में भावनाओं व उत्साह से भरा कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय प्रांगण को रंग बिरंगे फूलों, गुब्बारों और सजावटी पट्टिकाओं से सजाया गया, जिन पर माताओं के प्रति प्रेम और सम्मान व्यक्त करने वाले संदेश लिखे थे। समारोह की शुरूआत मंगलाचरण व दीप प्रज्ज्वलन से हुई। प्रधानाचार्या अनिता यादव मातृ दिवस की शुभकामनाएं दी व अपने संदेश में कहा कि मां हमारे जीवन की पहली गुरु और सबसे बड़ी प्रेरणा होती हैं, हमें हर दिन उनका सम्मान करना चाहिए। मां केवल परिवार की धुरी ही नहीं, बल्कि जीवन की पहली शिक्षक और मार्गदर्शक होती हैं।

प्रदेश के सरकारी स्कूलों में गूंजेगी लोग संस्कृति की धमक : सांस्कृतिक उत्सव का रोडमैप तैयार

मई से अगस्त तक तीन मुख्य चरणों में चलेगा महोत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले लाखों विद्यार्थियों के लिए खुशखबरी है। हरियाणा शिक्षा निदेशालय ने प्रदेश के सरकारी विद्यालयों की प्रतिभा को निखारने के लिए 'सांस्कृतिक उत्सव-2026' के भव्य आयोजन की मुहर लगा दी है। निदेशालय द्वारा जारी विस्तृत दिशा-निर्देशों के अनुसार यह महोत्सव केवल मनोरंजन मात्र नहीं होगा, बल्कि विद्यार्थियों को हरियाणा की 'विरासत, नैतिक मूल्यों और पर्यावरण' से जोड़ने का एक बड़ा अभियान बनेगा।

इन तीन चरणों में होगा कार्यक्रम

मई से अगस्त तक चलेगा सांस्कृतिक महाकुंभ : शिक्षा विभाग ने इस महोत्सव को तीन मुख्य चरणों में विभाजित किया है, ताकि जमीनी स्तर से प्रतिभाएं निकलकर सामने आ सकें। इसके लिए विद्यालय स्तर 12 से 22 मई तक सबसे पहले सभी स्कूलों में आंतरिक प्रतियोगिताएं होंगी। उसके बाद खंड स्तर पर 14 से 25 जुलाई तक प्रतियोगिता होंगी। विद्यालय स्तर के विजेता ब्लॉक स्तर पर अपना हुनर दिखाएंगे। जिला स्तर पर 24 से 29 अगस्त तक कार्यक्रम आयोजित होंगे। उत्सव का समापन जिला स्तरीय भव्य कार्यक्रमों के साथ होगा।

चार श्रेणियों में होगी प्रतियोगिताएं

रागनी और लोक नृत्य के साथ गूंजेगा नैतिक मूल्यों का संदेश - इस बार उत्सव की थीम अत्यंत प्रासंगिक रखी गई है। इसमें चार मुख्य श्रेणियों में प्रतियोगिताएं होंगी। जिनमें लोक नृत्य (एकल): विशुद्ध हरियाणवी लोक कला का प्रदर्शन। लोक नृत्य (समूह): सामूहिक समन्वय और सांस्कृतिक झलक। संगीत-एकल (रागनी): हरियाणा की पहचान 'रागनी' के जरिए नैतिक संदेश। स्किट (समूह): पर्यावरण और सामाजिक मूल्यों पर आधारित लघु नाटक। बजट का प्रावधान: मिडिल से लेकर सीनियर सेकेंडरी तक को फंड

अधिकारियों की जवाबदेही तय

निदेशालय ने स्पष्ट किया है कि कार्यक्रम की पूरी रिपोर्ट (फोटो और परिणाम वीडियो सहित) उसी शाम मुख्यालय को भेजनी होगी। सभी डीईओ व डीईईओ को अपने-अपने जिलों में 'ओवरऑल इंचार्ज' बनाया गया है। उत्सव में मॉडल संस्कृति, आरोही और केजीबीवी स्कूलों के कक्षा पांचवीं से आठवीं और नौवीं से 12वीं तक के विद्यार्थी हिस्सा लेंगे।

बजट का स्पष्ट खाका

आयोजन में धन की कमी आड़े न आए, इसके लिए निदेशालय ने बजट का स्पष्ट खाका तैयार किया है। डीईओ और डीईईओ के माध्यम से राशि आवंटित की जाएगी। राजकीय मिडिल स्कूल में 2000 प्रति विद्यालय, राजकीय हाई स्कूल में 3000 प्रति विद्यालय और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 4000 प्रति विद्यालय निर्धारित किया गया है । विशेष निर्देश है कि विद्यालय स्तर पर इस राशि का उपयोग केवल पुरस्कार, मेडल या स्मृति चिन्ह देने के लिए किया जाएगा। नकद राशि नहीं दी जाएगी।

100 अंकों का पैमाना और शिकायत निवारण तंत्र

प्रतियोगिता का निर्णय पांच श्रेणियों (थीम, वेशभूषा, प्रस्तुति, संगीत और मौलिकता) के आधार पर लिया जाएगा, जिनमें प्रत्येक के लिए 20 अंक निर्धारित हैं। यदि किसी टीम को निर्णय पर आपत्ति है, तो वे परिणाम घोषित होने के 30 मिनट के भीतर जिला स्तरीय 'ग्रीवेंस कमेटी' के पास शिकायत दर्ज करा सकते हैं। राज्य स्तर पर असंतुष्ट टीमों को 40 मिनट का समय दिया जाएगा।

खबर संक्षेप

गुरुग्राम में सद्भाव यात्रा को मिला जबरदस्त समर्थन

मंडी अटेली। गुरुग्राम में कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का सद्भाव यात्रा में शामिल होने पर लोगों और कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह द्वारा निकाली जा रही इस यात्रा में राहुल गांधी ने खांडसा मंडी से पदयात्रा शुरू की और कार्यकर्ताओं के साथ पैदल मार्च किया। इस यात्रा के बारे में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता महेंद्र सिंह राता ने कहा कि यह यात्रा समाज में भाईचारा और एकता का संदेश देने के उद्देश्य से निकाली जा रही है।

किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर के टीके लगाए

मंडी अटेली। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अटेली की ओर से किशोरियों के लिए एचपीवी वैक्सीन कैंप का आयोजन किया गया। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बड़ी संख्या में किशोरियों को वैक्सीन लगाकर उन्हें गंभीर बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक किया। कैंप का संचालन एसएमओ डॉ. धर्मेंद्र सांगवान, हेल्थ इंस्पेक्टर हंसराज, एमपीएचडब्ल्यू हरीश कुमार और एलएचवीं पुष्पा देवी की देखरेख में किया गया। एसएमओ डॉ. सांगवान ने बताया कि एचपीवी वैक्सीन सर्वाइकल कैंसर से बचाव का एक प्रभावी माध्यम है।

एमएससी गणित एवं संगीत गायन विषय शुरू करने की भी उठी मांग

राजकीय कॉलेज में एमएससी फिजिक्स व फिजिकल एजुकेशन शुरू, छात्रों में खुशी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा सरकार एवं उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा राजकीय महाविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 से एमएससी फिजिक्स तथा स्नातक स्तर पर फिजिकल एजुकेशन विषय के नए कोर्स प्रारंभ किए जाने पर विद्यार्थियों एवं क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है। इस उपलब्धि पर महाविद्यालय प्रशासन, विद्यार्थियों एवं सामाजिक संगठनों ने क्षेत्रीय विधायक कंवर सिंह यादव का आभार व्यक्त किया। राजकीय महाविद्यालय महेंद्रगढ़ प्राचार्य प्रोफेसर विजय यादव, राजकीय महाविद्यालय सतनाली के प्राचार्य डॉ. सुधीर लाम्बा, राजकीय महिला महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर महेंद्र सिंह, शंकर, विजय पाल सहित अनेक शिक्षाविदों एवं विद्यार्थियों ने विधायक कंवर सिंह यादव से मुलाकात कर उन्हें मिठाई खिलाकर धन्यवाद दिया। उन्होंनें कहा कि महेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में लगातार विकास कार्य हो रहे हैं, जिससे ग्रामीण एवं सामान्य परिवारों के विद्यार्थियों को बेहतर अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा, उच्चत्तर शिक्षा विभाग के एसीएस अपूर्वा कुमार सिंह, महानिदेशक एस नारायण, महेंद्रगढ़ जिला उच्चत्तर शिक्षा अधिकारी प्रो. डॉ. राजवीर सिंह, जिले की पूर्व जिला उच्चत्तर शिक्षा अधिकारी प्रोफेसर डॉ. पूर्ण प्रभा, प्रोफेसर डॉ. अनिल कुमार सहित विष्णु सेवा समिति रजिस्टर्ड महेंद्रगढ़ के प्रधान मनोहर लाल झूकिया, रामानंद शर्मा सहित शिक्षा विभाग के अधिकारियों तथा क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों का विशेष आभार जताया। विद्यार्थियों ने कहा कि उनकी लंबे समय से चली आ रही मांग पर सकारात्मक कार्रवाई करते हुए सरकार ने नए कोर्सो एवं विषयों को स्वीकृति प्रदान की है।

महेंद्रगढ़। विधायक का आभार जताते हुए। फोटो : हरिभूमि

संगीत के विषय भी शुरू करने की मांग

विद्यार्थियों ने यह भी बताया कि महेंद्रगढ़, रेवाड़ी एवं चरखी दादरी जिलों के किसी भी राजकीय महाविद्यालय में लड़कों के लिए संगीत गायन विषय उपलब्ध नहीं है। इससे संगीत में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों को अपने पसंदीदा विषय में अध्ययन का अवसर नहीं मिल पाता। विद्यार्थियों ने सरकार से मांग की कि क्षेत्र की शैक्षणिक आवश्यकताओं को देखते हुए इसी शैक्षणिक सत्र से एमएससी गणित एवं संगीत गायन विषय भी प्रारंभ किए जाएं।

सतनाली कॉलेज में एमए हिंदी व राजनीतिक विज्ञान

महेंद्रगढ़। दो पीजी कोर्स शुरू कराने पर खुशी मनाता सतनाली कॉलेज स्टाफ।

महेंद्रगढ़। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सतनाली ने सभी विद्यार्थियों (वर्तमान व पूर्व) ने कॉलेज प्राचार्य डा. सुधीर लांबा का महाविद्यालय में दो विषय हिंदी तथा राजनीतिक विज्ञान में पीजी क्लासें शुरू कराने पर धन्यवाद प्रकट किया। इससे पहले भी प्राचार्य के प्रयासों से ही तीन विषय एमए हिस्ट्री, एमए जोगरफी तथा एमएससी कैमेस्ट्री का शुभारंभ वर्ष 2023 में हुआ था। इसके साथ ही कॉलेज के सभी विद्यार्थियों व कॉलेज एल्युमिनाई एसोसिएशन तथा इलाके के लोगों ने वर्तमान विधायक कंवर सिंह यादव का भी धन्यवाद किया और कहा कि मेहनती, कर्मठ व ईमानदार विधायक की बदौलत ही यह संभव हो पाया है। एल्यूमिनाई एसोसिएशन के प्रधान सुखबीर ने कहा कि क्षेत्र के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि है। अब विद्यार्थियों को अपनी उच्च शिक्षा के लिए दूसरे कॉलेज व यूनिवर्सिटी के धक्के नहीं खाने पड़ेंगे। विद्यार्थियों ने महाविद्यालय में लड्डू बांटकर खुशी सांझा की व महाविद्यालय में खुशी का माहौल रहा। इस अवसर पर प्रो. विरेंद्र सिंह, जरनैल सिंह, डा. नीलम, डा. विपिन, डा. रितू, अमित मलिक, राकेश, संजय, डा. रेखा शेखावत, सोनू बाबूजी, जैक्क, निक्की आदि गैर–शैक्षणिक स्टॉफ व कॉलेज के अनेक विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सिटी किड्स स्कूल में मदर्स डे पर हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम

नारनौल। मोहल्ला नई सराय स्थित सिटी किड्स स्कूल में शनिवार को मदर्स डे बड़े ही उत्साह व भावनात्मक माहौल में मनाया गया। कार्यक्रम में नन्हे बच्चों ने अपनी माताओं के सम्मान में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। स्कूल परिसर में पूरे दिन खुशी, उत्साह और अपनत्व का माहौल बना रहा। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इसके बाद बच्चों ने मां के प्रेम, त्याग और ममता को दर्शाते हुए गीत, नृत्य और कविताओं की प्रस्तुतियां दीं। बच्चों की मासूम अदाओं व भावुक प्रस्तुतियों को देखकर कई माताएं भावुक नजर आईं। इस अवसर पर बच्चों की माताओं ने भी विभिन्न गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। स्कूल की ओर से आयोजित मनोरंजक प्रतियोगिताओं और खेलों में माताओं ने बच्चों के साथ समय बिताया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने अपनी-अपनी मां को विशेष उपहार देकर उन्हें मदर्स डे की शुभकामनाएं दी। स्कूल प्राचार्य संतोष यादव ने कहा कि मां और बच्चे का रिश्ता दुनिया का सबसे अनमोल रिश्ता होता है। मां अपने बच्चों के लिए हर त्याग और संघर्ष खुशी-खुशी करती है। इस मौके पर मनीष यादव, स्वाति यादव, तुलसी शर्मा, प्रीति कुमारी, मनीषा यादव, मधुमिता व राकेश सैनी मौजूद रहे।

प्रो. राजवीर सिंह बने जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी

नारनौल। जिले के सबसे बड़े और प्राचीन राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राजवीर सिंह को निदेशक उच्चतर शिक्षा विभाग ने जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी बनाया है। इससे पहले जिले के उच्चतर शिक्षा अधिकारी प्रो. पूर्ण प्रभा, उसके बाद डॉ. अनिल कुमार रहें। उन्हें जिला उच्चतर शिक्षा अधिकारी नियुक्त करने पर महाविद्यालयों स्टाफ सदस्यों ने बधाई दी। प्रो राजवीर सिंह वर्तमान समय में राजकीय महाविद्यालय रेवाड़ी के प्राचार्य व जिला पुस्तकालय रेवाड़ी के अध्यक्ष के पद के साथ राजकीय शिक्षण महाविद्यालय के प्राचार्य का अतिरिक्त कार्यभार संभाल रखा है।

मातृ दिवस पर बच्चों ने किए कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

दुलाना चितलांग रोड स्थित एसपीजी आईएएस स्कूल में मातृ दिवस मनाया गया। इस दौरान नन्हें बच्चों ने अपनी माताओं के प्रति प्रेम और सम्मान व्यक्त करने के लिए विभिन्न गतिविधियां की। बच्चों ने अपनी माताओं के लिए फोटो फ्रेम, हैंडमेड गिफ्ट् और गुलदस्ते बनाए। कुछ छात्रों ने मां की ममता को शब्दों में पिरोया, जबकि अन्य ने मां द्वारा दी गई सीख साझा की। कई बच्चों ने अपनी मां को भगवान की बनाई सबसे सुंदर रचना बताया। छात्राओं ने गीतों पर समूह नृत्य की प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। छात्राओं ने धरती मां को महत्व देते हुए एक नाटक से पर्यावरण को बचाने का भी संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन सरस्वती सदन से किया गया। मंच का संचालन कोऑर्डिनेटर मंजू शर्मा ने किया। कार्यक्रम के अंत में स्कूल प्रिंसिपल सरिता यादव ने मातृ दिवस की बधाई दी।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

यदुवंशी में मातृ दिवस पर रही कार्यक्रमों की धूम

महेंद्रगढ़। यदुवंशी स्कूल में मातृ दिवस मनाया गया। इस दौरान विद्यालय में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें पोस्टर मेकिंग, कार्ड मेकिंग, कविता पाठ, नृत्य एवं भाषण प्रतियोगिता प्रमुख रहीं। विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए माताओं के प्रति प्रेम, सम्मान एवं आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने सुंदर पोस्टर एवं आकर्षक कार्ड बनाकर मां के महत्व को दर्शाया। कविता पाठ प्रतियोगिता में छात्रों ने भावपूर्ण कविताओं के माध्यम से मां के त्याग, प्रेम और स्नेह का वर्णन किया। विद्यालय परिसर विद्यार्थियों की रचनात्मक गतिविधियों से जीवंत दिखाई दिया। ग्रुप चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि मां हमारे जीवन की पहली गुरु होती हैं। मां का प्रेम, त्याग और संस्कार हमें जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि हमें सदैव अपनी मां का सम्मान करना चाहिए तथा उनके बताए मार्ग पर चलना चाहिए। वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव, वाइस चेयरपर्सन संगीता यादव और ग्रुप निदेशक विजय सिंह यादव ने भी सभी विद्यार्थियों मातृ दिवस की बधाई दी।

रामचंद्र स्कूल में मनाया मदर्स डे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कनीना

रामचंद्र पब्लिक स्कूल में मदर्स डे के पर रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय में छात्रों ने अपनी माताओं के सम्मान में अनेक आकर्षक गतिविधियों में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान एक्ट प्रस्तुति, पोस्टर मेकिंग, पोयम रेसिटेशन तथा अन्य कई रचनात्मक इवेंट आयोजित किए गए। छात्रों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए मां के प्रति प्रेम, सम्मान और आभार व्यक्त किया। विद्यालय का वातावरण उत्साह और खुशी से भर गया। सभी कार्यक्रम में बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और दर्शकों की खूब सराहना प्राप्त की।

कनीना। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

विद्यालय चेयरमैन रोशनलाल यादव ने सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम बच्चों में संस्कार, रचनात्मकता और आत्मविश्वास को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने सभी माताओं को मदर्स डे की शुभकामना भी दीं। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया तथा सभी ने मिलकर मदर्स डे को यादगार बनाया।

रिश्ते-नाते महताब सिंह ने इंसानियत, भाईचारे और रिश्तों की मिसाल पेश की

पूर्व एनएसजी कमांडो महताब ने शादी में धर्म भाई बनकर भात की निभाई रस्म

कलाखरी निवासी चित्रा के सगे भाई सुरेंद्र सिंह का 2006 में निधन हो गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

गांव बलाहा कला निवासी पूर्व एनएसजी कमांडो एवं वर्तमान में दिल्ली पुलिस में कार्यरत महताब सिंह ने इंसानियत, भाईचारे और रिश्तों की ऐसी मिसाल पेश की है, जिसकी पूरे इलाके में चर्चा हो रही है। आज के समय में जहां छोटे-छोटे विवाद रिश्तों को तोड़ देते हैं, वहीं महताब सिंह ने एक महिला का भाई बनकर ऐसा फर्ज निभाया कि शादी समारोह में मौजूद हर व्यक्ति भावुक हो उठा। जानकारी के अनुसार राजस्थान के गांव कलाखरी निवासी चित्रा के सगे भाई सुरेंद्र सिंह का 2006 में निधन हो गया था। भाई के जाने के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। समय बीतता गया और परिवार में बेटियों व बेटों की शादी की जिम्मेदारी सामने आने लगी। ऐसे कठिन समय में महताब सिंह ने चित्रा को अपनी धर्म बहन मानते हुए परिवार का हाथ थाम लिया। बताया गया कि चित्रा के कुल छह बेटे-बेटियां हैं। महताब सिंह ने इन सभी बच्चों की शादी में भाई बनकर भात भरने की रस्म निभाई। शुक्रवार को कलाखरी गांव में चित्रा के दो बेटों शेरसिंह व राजू की शादी से पहले भात की रस्म हुई। महताब सिंह पूरे मान-सम्मान के साथ करीब 25 लोगों को लेकर भात भरने पहुंचे। भात की रस्म के दौरान माहौल बेहद भावुक नजर आया।

नारनौल। भात लेकर पहुंचे एनएसजी कमांडो महताब सिंह। फोटो : हरिभूमि

बहन चित्रा की आंखों में खुशी के आंसू

बहन चित्रा की आंखों में खुशी के आंसू थे। उसने कहा कि भाई के निधन के बाद जिंदगी में बहुत बड़ा खालीपन आ गया था, लेकिन महताब सिंह ने कभी भाई की कमी महसूस नहीं होने दी। हर सुख-दुख में वे परिवार के साथ खड़े रहे। महताब सिंह ने कहा कि रिश्ते केवल खून से नहीं, बल्कि अपनत्व और विश्वास से भी बनते हैं। उन्होंने कहा कि यह उनके गांव की बेटी है और भाई होने के नाते उसका साथ देना उनका कर्तव्य है। उन्होंने लोगों से जात-पात और भेदभाव से ऊपर उठकर एक-दूसरे की मदद करने की अपील भी की। गांव के सरपंच वीरेंद्र सिंह यादव ने भी महताब सिंह की सराहना करते हुए कहा कि आज के दौर में ऐसे उदाहरण बहुत कम देखने को मिलते हैं। उन्होंने कहा कि महताब सिंह ने जिस तरह धर्म बहन के परिवार का सहारा बनकर भाई का फर्ज निभाया है, वह समाज के लिए प्रेरणा है। शादी समारोह में मौजूद लोगों ने भी इस पहल को सामाजिक सद्भाव, भाईचारे व इंसानियत की सच्ची मिसाल बताया। गांव में हर कोई महताब सिंह के इस कदम की तारीफ करता नजर आया।

वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप की जयंती मनाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

महेन्द्रगढ़ के महाराणा प्रताप चौक पर वीर शिरोमणी महाराणा की 486वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। प्रमुख समाजसेवी अतरलाल एडवोकेट के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने महाराणा प्रताप अमर रहे अमर रहे के नारों के बीच महाराणा प्रताप की मूर्ति पर माल्यापर्ण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। विधायक कंवर सिंह यादव ने महाराणा प्रताप को नमन करते हुए उनके व्यक्तित्व तथा कृतित्व पर प्रकाश डाला और उनकी शिक्षाओं पर चलने का आह्वान किया। अतरलाल ने महाराणा प्रताप को स्वतंत्रता संग्राम का अग्रदूत बताते हुए कहा कि उनकी वीरता, अदम्य साहस, रणकौशल और राष्ट्रवादी शासन व्यवस्था को हमेशा याद किया जाएगा। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने अतरलाल को भाला भेंट कर सम्मानित किया। समाजसेवा, शिक्षा, नवाचार तथा महाराणा प्रताप के विचारों को जन जन तक पहुंचाने के लिए तलवाना खेड़ी गांव के अंकित ठाकुर, मोनू खुडाना, रविन्द्र प्रधान झगड़ौली, करतार पाथेड़ा तथा ओमसिंह खेड़ी को महाराणा प्रताप एकस्ट्रा आर्डिनरी अवार्ड से सम्मानित किया गया।

एनएच 148 बी पर चेकिंग के दौरान लकड़ियों से भरा डंपर पकड़ा

नारनौल। नेशनल हाईवे नंबर 148 बी पर गांव बड़कोदा बाईपास के नजदीक चेकिंग के दौरान एक लकड़ियों से भरा डंपर पकड़ा गया है। इन लकड़ियों की कीमत हजारों रुपये है। इनको डंपर के ऊपर तिरपाल डालकर छुपाकर ले जाया जा रहा था। वन रक्षक हंसराज ने बताया कि उसे सूचना लगी कि राजस्थान के झुंझुनूं जिला के डुमोली निवासी व्यक्ति लकड़ियों की अवैध सप्लाई करता है। वह अपना एक डंपर लकड़ियों से भरकर नेशनल हाईवे नंबर 148 बी से होते हुए राजस्थान की ओर ले जा रहा है। सूचना के आधार पर उसने नेशनल हाईवे पर आते हुए संदिग्ध डंपर को रुकवाया। जिसके बाद उसने डंपर की चेकिंग की। चेकिंग के दौरान डंपर पूरा कड़ी हुई प्रतिबंधित लकड़ियों से मिला। इस पर उसने डंपर को कब्जे में लेकर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी। हंसराज ने बताया कि राजस्थान के झुंझुनूं जिला के डुमोली निवासी रामनरेश इन लकड़ियों की तस्करी मामले में संलिप्त पाया गया। उन्होंने बताया कि डंपर को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई के लिए वन विभाग के कार्यालय में खड़ा कर दिया।

पोलिंग पार्टियों को ईवीएम मशीनों सहित किया रवाना

नगर पालिका कनीना उपचुनाव आज : वार्ड नं. 14 फतेहपुर में सरपंच और खुड़ाना में पंच को चुनेंगे मतदाता

आज सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक होगा मतदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल/कनीना

जिला में आज रविवार को उपचुनाव है। कनीना नगर पालिका के वार्ड नंबर 14 से जहां पार्षद का चुनाव होगा। वहीं अटेली खंड के गांव फतेहपुर में सरपंच पद को लेकर चुनाव होगा। वहीं महेंद्रगढ़ खंड के गांव खुड़ाना में पंच पद का चुनाव होगा। सुबह आठ बजे से शाम छह बजे तक मतदान होगा। इन सभी जगह चुनाव करवाने की तैयारी प्रशासन ने की है। एक दिन पहले शनिवार को मतदान केंद्र पर चुनाव करवाने वाली टीम पहुंच गई।

कनीना नगर पालिका के वार्ड संख्या 14 में होने वाले उपचुनाव की बात करें तो शनिवार को राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय स्थित डिस्पैच सेंटर से पोलिंग पार्टियों को ईवीएम मशीनों एवं आवश्यक चुनाव सामग्री सहित संबंधित मतदान केंद्र के लिए रवाना किया गया। उपमंडल अधिकारी एवं रिटर्निंग अधिकारी डॉ. जितेंद्र सिंह के निर्देशन में पोलिंग पार्टियों को चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों के अनुरूप आवश्यक निर्देश दिए गए। उन्होंने बताया कि 10 मई को निर्धारित मतदान केंद्र पितामह कान्हसिंह धर्मशाला में सुबह आठ बजे से शाम छह बजे तक मतदान कराया जाएगा। मतदान समाप्ति के उपरांत सभी पोलिंग पार्टियां पुनः राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में स्थापित स्ट्रॉन्ग रूम में ईवीएम मशीनें एवं चुनाव सामग्री जमा करवाएंगी। इस मौके पर नायब तहसीलदार अर्जुन सिंह, राजकीय महिला महाविद्यालय उन्हानी के प्राचार्य डॉ. विक्रम सिंह, निर्वाचन कानूनगो पूनम, नगर पालिका सचिव कपिल, ईवीएम मास्टर ट्रेनर सुधीर नारा, आंगनबाड़ी सुपरवाइजर पूजा खींची सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

कनीना। पोलिंग पार्टियों को दिशा निर्देश देते रिटर्निंग अधिकारी डॉ. जितेंद्र सिंह। फोटो: हरिभूमि

फतेहपुर उपचुनाव में आज मतदान, दो महिला प्रत्याशियों के बीच मुकाबला

मंडी अटेली। अटेली खंड के गांव फतेहपुर फतनी में आज 10 मई को सरपंच पद के लिए होने वाले उपचुनाव को लेकर पूरे गांव में चुनावी माहौल पूरी तरह गर्म हो चुका है। इस बार सरपंच पद महिला वर्ग के लिए आरक्षित होने के कारण मुकाबला दो महिला उम्मीदवारों के बीच बेहद रोचक बन गया है। गांव में महावीर सिंह की पुत्रवधु सीमा यादव और रामप्रताप मुनीम की पुत्रवधु सुमन के बीच मुकाबला है। ग्रामीणों का कहना है कि इस चुनाव का परिणाम गांव के विकास की आगामी दिशा तय करेगा। आपको बताते चले कि नई मतदाता सूची के अनुसार गांव में कुल 1247 मतदाता हैं जिनमें 646 पुरुष और 601 महिला मतदाता शामिल हैं। मतदान प्रक्रिया आज सुबह आठ बजे से शुरू होकर सायं छह बजे तक चलेगी। प्रशासन की ओर से निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। वहीं, शनिवार सायं पोलिंग स्टेशन पर अधिकारियों के साथ पुलिस बल भी पहुंच गया।

सुरक्षा दृष्टि से पुलिस ड्यूटी

नगर पालिका कनीना उप-चुनाव
मतदान केन्द्र (वार्ड नंबर 14): यहां 12 पुलिस कर्मचारी तैनात किए गए हैं।
नाका ड्यूटी (कोसली टी-प्वाईंट कनीना): 4 कर्मचारी
नाका ड्यूटी (डीएवी कॉलेज, रेवाड़ी रोड कनीना): 4 कर्मचारी
नाका ड्यूटी (अटेली टी-प्वाईंट कनीना): 4 कर्मचारी
नाका ड्यूटी (कनीना-अटेली रोड, नहर के पास): 4 कर्मचारी
पेट्रोलिंग पार्टी: 6 कर्मचारी गश्त के लिए तैनात हैं।
अतिरिक्त पुलिस बल: 11 कर्मचारी थाना शहर कनीना में रिजर्व (स्टैंड-टू) रहेंगे।
मतदान सामग्री सुरक्षा ड्यूटी (गवर्नमेंट मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल): 5 कर्मचारी
पर्यवेक्षण अधिकारी एवं प्रबंधक थाना पेट्रोलिंग पार्टी: 12 कर्मचारी
स्ट्रांग रूम सुरक्षा (गवर्नमेंट मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल): 19 कर्मचारी
पंचायत उप-चुनाव ड्यूटियां (फतेहपुर और खुड़ाना)

अटेली नांगल खण्ड (गांव फतेहपुर-सरपंच पद)

पर्यवेक्षण अधिकारी ड्यूटी	10 कर्मचारी
मतदान केन्द्र (रा.प्रा.पा. मध्य कक्ष)	7 कर्मचारी
अतिरिक्त पुलिस बल	10 कर्मचारी
पेट्रोलिंग पार्टी	6 कर्मचारी

महेन्द्रगढ़ खण्ड (गांव खुडाना -पंच पद)

पर्यवेक्षण अधिकारी ड्यूटी	11 कर्मचारी
मतदान केन्द्र (रा.मा.वि. कन्या बायां कक्ष)	8 कर्मचारी
अतिरिक्त पुलिस बल	10 कर्मचारी
पेट्रोलिंग पार्टी	6 कर्मचारी

पंचायत चुनाव के लिए नाका ड्यूटियां

महेन्द्रगढ़ से दादरी रोड आकोदा	5 कर्मचारी
तुलाराम चौक महेन्द्रगढ़	5 कर्मचारी
अटेली से रेवाड़ी रोड बजाड़ नाका	6 कर्मचारी
कनीना-अटेली टी-प्वाईंट	5 कर्मचारी

रिजर्व ड्यूटी: दंगारोधी साजो-सामान के साथ रिजर्व ड्यूटी: 20 पुलिस कर्मचारी तैनात रहेंगे।

खबर संक्षेप

कनीना में स्वास्थ्य जांच शिविर आज

कनीना। सेवा भारती की ओर से रविवार को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर कनीना मंडी स्थित लाला शिव लाल धर्मशाला में सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलेगा। शिवकुमार अग्रवाल ने बताया कि शिविर में हड्डी व जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ. मनीष वर्मा, सामान्य रोग विशेषज्ञ डॉ. हर्ष अपनी सेवाएं देंगे।

बहुजन समाज पार्टी की बैठक आज

नारनौल। बहुजन समाज पार्टी की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक 12 मई सुबह 10 बजे गांव धनौन्दा में आयोजित की जाएगी। बसपा के केन्द्रीय प्रभारी सीपी सिंह व वरिष्ठ नेता अतरलाल एडवोकेट बैठक में मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत करेंगे। राज्य प्रभारी एडवोकेट नेतराम, महेन्द्र सिंह जाजोरिया व लोकसभा प्रभारी पवन ठाकुर विशिष्ट अतिथि होंगे। अध्यक्षता पार्टी के जिला प्रधान प्रमोद कटारिया करेंगे। बसपा के विधानसभा अध्यक्ष रविन्द्र रामबास ने बताया कि बैठक में पार्टी के सभी जिला कमेटी, विधानसभा कमेटी व सेक्टर कमेटी पदाधिकारी हिस्सा लेंगे।

रिटायर्ड कर्मचारी संघ की बैठक कल

नारनौल। रिटायर्ड कर्मचारी संघ हरियाणा संबंधित अखिल भारतीय राज्य सरकारी पेंशनर्स फेडरेशन की बैठक 11 मई को पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में प्रातः नौ बजे होगी। जिसकी अध्यक्षता जिला प्रधान घनश्याम दास शर्मा करेंगे। जिला सचिव रोशनलाल ने बताया कि पांचों खण्डों के सभी पदाधिकारी व सदस्य बैठक में भाग लेंगे।। बैठक में पूर्व राज्य उपप्रधान जगनलाल निनानिया जिले में रिटायर्ड कर्मचारियों की ओर से अब तक किए गए संघर्ष बारे में विस्तार से बताएंगे।

विभिन्न मामलों में 18 आरोपित गिरफ्तार

नारनौल। पुलिस ने एक ही दिन में अलग अलग आपराधिक मामलों में कुल 18 आरोपितों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। थाना अटेली पुलिस ने मारपीट व गंभीर चोट पहुंचाने के मामले में चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। वहीं सीआईए ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एनडीपीएस एक्ट के तहत मादक पदार्थों से जुड़े एक मामले में पांच आरोपितों को एक साथ दबोचा है। थाना नांगल चौधरी पुलिस ने डराने धमकाने के अलग अलग मामलों में चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। न्यायालय में पेश न होने वाले एक आरोपित व थाना सदर महेंद्रगढ़ पुलिस ने एक व्यक्ति को काबू किया है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

डैमेज सीवर लाइन बदलने में जुटा जनस्वास्थ्य विभाग

पार्क गली को ओवरफ्लो सीवर की समस्या से निजात मिलने की उम्मीद

नई सीवर लाइन डालने के लिए तोड़ी गई सीसी सड़क

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

शहर की व्यस्ततम और प्रमुख बाजारों में शामिल पार्क गली तथा आसपास के कई मोहल्लों में लंबे समय से बनी हुई सीवर ओवरफ्लो की समस्या अब जल्द खत्म होने की उम्मीद जगी है। जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग ने गर्ल्स आईटीआई के पास क्षतिग्रस्त अंडरग्राउंड सीवर लाइन की मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया है। विभाग की ओर से नई सीवर लाइन डालने के लिए सड़क की खुदाई करवाई जा रही है।

जानकारी के अनुसार कुछ माह पहले गर्ल्स आईटीआई नारनौल की दीवार और गंदे नाले के बीच ट्रांसफार्मर का पोल गाड़ने के दौरान अंडरग्राउंड दबी सीवर लाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी। यह लाइन दो जगहों से टूट गई थी, जिसके चलते सीवर का प्रवाह बाधित हो गया। धीरे-धीरे सीवर लाइन अवरुद्ध होने लगी और आसपास के कई इलाकों में सीवर जाम तथा ओवरफ्लो की समस्या पैदा हो गई। इस डैमेज लाइन का सबसे ज्यादा असर पार्क गली पर पड़ा। यहां आए दिन सीवर उफनता रहता था और गंदा पानी सड़क के बीचोंबीच बहता रहता था। स्थिति यह हो गई थी कि राहगीरों और दुकानदारों को लगातार बदबू और गंदगी का सामना करना पड़ रहा था।

पार्क गली शहर की सबसे महंगी और व्यस्त मार्केटों में गिनी जाती है। यहां रेडीमेड वस्त्रों और जूता-चप्पलों की दुकानों पर दिनभर ग्राहकों की भीड़ रहती है, खासकर युवाओं का आवागमन अधिक रहता है। इसके अलावा बस स्टैंड और मुख्य बाजार आने-जाने के लिए भी बड़ी संख्या में लोग इसी रास्ते का उपयोग करते हैं, लेकिन सीवर ओवरफ्लो की वजह से गली में हालात बदतर बने हुए थे। बाजार में पहुंचते ही ग्राहकों का ध्यान सबसे पहले सड़क पर फैली गंदगी और बदबू की ओर जाता था। दुकानदारों का कहना है कि कई बार दुपहिया वाहन गुजरने पर गंदे पानी के छींटे लोगों के कपड़ों तक पर पड़ जाते थे, जिससे लोगों को भारी असुविधा होती थी। इसका असर कारोबार पर भी पड़ रहा था।

स्थानीय लोगों के अनुसार समस्या की जड़ गर्ल्स आईटीआई के पास डैमेज हुई मुख्य सीवर लाइन थी। हालांकि इस लाइन को ठीक करने में काफी समय लग गया, क्योंकि जिस स्थान पर खुदाई होनी थी वहां नगर परिषद ने करीब आठ-दस माह पहले ही सीसी सड़क का निर्माण करवाया था। सड़क अच्छी गुणवत्ता की बनाई गई थी, इसलिए उसे तोड़ने की अनुमति मिलने में जनस्वास्थ्य विभाग को लंबा इंतजार करना पड़ा।

नारनौल। जेसीबी से तोड़ी गई नई सड़क। फोटो: हरिभूमि

अनुमति मिलने के बाद तोड़ी सड़क

अब नगर परिषद से अनुमति मिलने के बाद विभाग ने मौके पर जेसीबी मशीन लगाकर काम शुरू कर दिया है। सड़क तोड़ने के साथ ही उसके एक हिस्से को बंद कर दिया गया है, ताकि मरम्मत कार्य सुचारु रूप से किया जा सके। विभाग की योजना के तहत डैमेज लाइन को हटाकर उसकी जगह नई सीवर पाइप लाइन दबाई जाएगी और उसे गंदे नाले की लाइन से जोड़ा जाएगा। नई लाइन शुरू होने के बाद पार्क गली ही नहीं बल्कि मोहिनी गली, शिवाजी नगर, पुरानी कचहरी तथा आसपास के अन्य इलाकों को भी सीवर ओवरफ्लो की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है। लोगों का मानना है कि यदि यह कार्य जल्द पूरा हो जाता है तो लंबे समय से चली आ रही गंदगी और बदबू की समस्या खत्म हो सकेगी।

नारनौल। लाइन के लिए खुदाई करती जेसीबी। फोटो: हरिभूमि

यह बोले पब्लिक हेल्थ जेई

गर्ल्स आईटीआई के पास डैमेज हुई सीवर लाइन को ठीक करने के लिए सड़क तोड़ी गई है। डैमेज लाइन की जगह नई लाइन डाली जाएगी और उसे गंदे नाले की लाइन से जोड़ा जाएगा। इसके बाद पार्क गली और आसपास के मोहल्लों की चॉक सीवर की समस्या दूर हो जाएगी। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद तोड़ी गई सड़क की मरम्मत भी जनस्वास्थ्य विभाग अपने खर्चे पर करवाएगा।
-अमित गोयल, जेई, जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग, नारनौल

नारनौल। विधायक ओमप्रकाश यादव का धन्यवाद करता स्टाफ। फोटो: हरिभूमि

राजकीय महिला कॉलेज को मिले 4 नए कोर्सेज

विधायक ने लड़कियों के लिए शिक्षा को बढ़ावा दिया: प्रो. आरपी सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

राजकीय महिला महाविद्यालय में एमए साइकोलॉजी, बीएससी विद् मेजर इन मैथ्स, बीए विद् मेजर इन इंग्लिश व फिजिकल एजुकेशन विषय समेत कुल चार नए कोर्सेज के लिए इस सत्र से दाखिले किए जाएंगे। इन नए कोर्सेज को महविद्यालय में लाने का श्रेय विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव को जाता है। जिनके अथक प्रयासों से महाविद्यालय को ये नये कोर्स इस सेशन से ही प्राप्त हुए है। इससे पूर्व भी विधायक के सहयोग से महाविद्यालय को अनेक नये पीजी कोर्स प्राप्त हुए है। वर्तमान में उनके प्रयासों से महाविद्यालय में कुल नौ विषयों में पोस्ट ग्रेजुएशन करने की सुविधा है।

महिला महाविद्यालय में चार नए कोर्सेज शुरू करने में विधायक के सहयोग के लिए प्राचार्य प्रो. आरपी सिंह सहित समस्त स्टाफ ने आभार व्यक्त किया। प्राचार्य प्रो. आरपी सिंह ने बताया कि विधायक ने लड़कियों के लिए शिक्षा को बढ़ावा दिया है, वह वास्तव में प्रशंसनीय व अत्यंत सराहनीय है।

इन्होंने किया धन्यवाद

इस मौके पर प्राचार्य प्रो. आरपी सिंह, डॉ. अजय थाकन, रजिस्ट्रार डॉ. सुनील कुमार, डॉ. नीलम यादव, डॉ. राधिका, डॉ. प्रीति यादव, डॉ. मुनेश यादव, डॉ. सुमन यादव, डॉ. पूनम यादव, डॉ. ज्योति, डॉ. सुनीता जाखड़, डॉ. श्वेता, डॉ. रमन, डॉ. मनीषा तायल, डॉ. पूनम बाई, सुनील कुमार समेत समस्त स्टाफ ने विधायक को मिठाई खिलाकर विशेष धन्यवाद दिया।

सेंसर लगे कांटे व मैजिक चिप लगाकर किसान को ठगने की योजना हुई बेनकाब

कनीना। समीपवर्ती गांव बव्वा में एक शातिर दिमाग व्यापारी ने किसान को ठगने का नायाब तरीका निकाला। सरसों खरीदने आए इस व्यापारी ने किसान को चूना लगाने के लिए पहले ही अपने पैरों में सेंसर डिवाइस फिट कर ली। जिससे काटें के वजन में करीब 5.6 किलोग्राम का अंतर सामने आया। किसान को संदेह हुआ तो पूरे प्रकरण का पर्दाफाश हुआ। बव्वा के किसान चंद्रहास ने छिथरौली के व्यापारी दलवीर के साथ सरसों बेचने का सौदा 6500 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से तय किया था। सरसों बेचते समय शुरू में किए गए वजन को लेकर ठीक लगाए, लेकिन जैसे जैसे शीघ्रता से सरसों के बैग का वजन किया जाने लगा तथा एक ही लेवल से भरे बैग के तौल में अंतर दिखाई दिया, तो किसान को गड़बड़ महसूस हुई। व्यापारी दलवीर अपनी सूझबूझ से प्रत्येक बैग पर पांच से छह किलोग्राम की हेराफेरी कर रहा था। सरसों के 26 बैग तोले जाने पर किसान का शक यकीन में बदल गया। किसान ने पुष्टि के लिए दूसरा कांटा मंगवाया और कट्टों का दोबारा वजन किया। जिसका नतीजा चौंकाने वाला सामने आया। 26 बैग में एक क्विंटल सरसों की हेराफेरी पकड़ी गई। व्यापारी दलवीर को रंगे हाथों पकड़ा तथा पूछताछ की तो उसने हेराफेरी कबूल कर ली। व्यापारी ने ग्रामीणों के सामने बताया कि उसने कांटे में सेंसर व अपने पैर में एक मैजिक चिप लगाई हुई थी, जिसके जरिए वह रिमोट की तरह वजन को कम कर देता था। धोखाधड़ी को लेकर आक्रोशित ग्रामीणों ने व्यापारी को खरीखोटी सुनाई। व्यापारी ने अपनी गुडविल बचाने के लिए ग्रामीणों के कहने पर गांव के चार मंदिरों के लिए 22000 रुपये की रसीद कटवाई गई। तब जाकर उसका पीछा छूटा।

■ बव्वा में सरसों खरीदने गया था छितरौली का व्यापारी

महेंद्रगढ़। चेक सौंपते विधायक। फोटो: हरिभूमि

विधायक ने 1.27 करोड़ के चेक किए वितरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

विधायक कंवर सिंह यादव ने बाबा खेतानाथ गोशाला खेड़की में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विभिन्न गोशालाओं को एक करोड़ 27 लाख रुपये के चेक वितरित किए। विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार गोमाता की सेवा और संरक्षण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि गोशालाएं केवल पशुओं के संरक्षण का केंद्र नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, आस्था और संस्कारों की पहचान हैं। कार्यक्रम में आदर्श गोशाला सतनाली, श्री बांके बिहारी गोशाला जड़वा, बाबा गुदड़िया गोशाला माधोगढ़, बाबा जयराम दास खुड़ाना गोशाला, सेठ श्री चंद्रमल आदर्श गोशाला पथरवा, श्री गोशाला महेंद्रगढ़, श्री गोशाला धोलपोश आश्रम सैनीपुरा, श्री कृष्ण सुदामा गोशाला भालखी, बाबा खेतानाथ गोशाला खेड़की और बाबा समताई नाथ गोशाला नावां के प्रतिनिधियों को सहायता राशि के चेक सौंपे गए। इस मौके पर राजेश प्रधान खेड़की, मुकेश गोयल, सत्यनारायण, राजकुमार पूर्व प्रधान, सत्यवीर सिंह, वीरेंद्र, गुगन बोहरा, सुरेश, रणधीर सिंह, महासिंह, लाल सिंह, भूपसिंह, लालचंद सहित अनेक गोशाला पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नो एंट्री में घुसे ट्रक ने कार को मारी टक्कर

नारनौल। महावीर चौक पर शनिवार सुबह एक ट्रक ड्राइवर ने वहां पर खड़ी कार को साइड से टक्कर मार दी। गनीमत यह रही कि इस हादसे में किसी को कोई चोट नहीं आई, मगर गाड़ी में काफी नुकसान हो गया। शहर का महावीर चौक सबसे व्यस्त चौराहा है। यहां पर ट्रैफिक का दबाव रहता है। हालांकि ट्रैफिक नियंत्रण करने के लिए यहां पर रेड लाइट भी लगाई गई हैं। वहीं भारी वाहनों का प्रवेश भी बंद किया हुआ है। जिसके कारण ट्रक व डंपर इस चौक की ओर नहीं आते।

शनिवार सुबह एक ट्रक यहां पर नो एंट्री में घुस गया। ट्रक ड्राइवर चितवन वाटिका की ओर से आ रहा था। जब वह सिंघाना रोड पर अपना ट्रक मोड़ने लगा तो लेफ्ट साइड में खड़ी स्विफ्ट कार उसको दिखाई नहीं दी। जिसके चलते उसने कार को टक्कर मार दी। कार में शहर निवासी युवक व उसका पिता बैठे हुए थे। ट्रक की टक्कर से कार क्षतिग्रस्त हो गई तथा आगे का हिस्सा टूट गया। हादसा होते ही वहां पर भीड़ जमा हो गई।

नारनौल। मौके पर खड़ा ट्रक व जमा लोग। फोटो: हरिभूमि

नारनौल, महेंद्रगढ़ व कनीना में लगाई राष्ट्रीय लोक अदालत

लोक अदालत में 9046 केसों का किया निपटारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से जारी दिशा निर्देशानुसार आज अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्ष हर्षाली चौधरी के मार्गदर्शन व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी की देखरेख में नारनौल, महेन्द्रगढ़ व कनीना में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया।

इस लोक अदालत में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश मैडम सोनिका व नितिन राज, सिविल जज जूनियर डिवीजन वन्दना व मुकेश कुमार ने नारनौल, सिविल जज जूनियर डिवीजन पीयूष ने कनीना व महेन्द्रगढ़ में सिविल जज जुनियर डिवीजन परमिंद्र सिंह न्यायधीशों की बैचों की ओर से फैसले किए गए। सीजेएम नीलम कुमारी ने बताया कि इस लोक अदालत में वाहन दुर्घटना मुआवजा केस, वैवाहिक मामले, वाहन चालान संबंधित मामले, जमीन अधिग्रहण मुआवजा से सम्बन्धित मामले, दीवानी मामले जैसे की किराया, बैंक ऋण, बच्चों व पत्नी के लिए भरण पोषण, चेक बाउंस, साइबर क्राइम व राजीनामा योग्य फौजदारी मामलों को रखा गया। उन्होंने बताया कि इस लोक अदालत में कुल 12720 केस निपटारे के लिए रखे गए, जिनमें से 9046 केसों का फैसला किया गया।

इस लोक अदालत में 21 केस मोटर वाहन दुर्घटना के रखे गए, जिसमें कुल 13363000 रुपये का मुआवजा दिया गया। उन्होंने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से हेल्पलाइन नंबर 01282250322 चलाया हुआ है, जिस पर भी आमजन किसी भी प्रकार की कानूनी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 पर भी फोन कर कानूनी सहायता ले सकते हैं।

नारनौल। लोक अदालत में केसों का निपटारा करते न्यायाधीश। फोटो: हरिभूमि

मातृ दिवस विशेष

मां की ममता, उसके प्रेम, उसके समर्पण और उसके त्याग की कोई सीमा नहीं होती है। हर हाल में अपनी संतान का हित, उसके सुख और उसकी खुशी की कामना करने वाली मां की महानता का कितना भी बखान किया जाए कम ही होगा। आइए आज मातृ दिवस के अवसर पर हम सब संकल्प करें कि अपनी मां को हमेशा खुश रखेंगे, उनकी हर इच्छा को पूरा करने का प्रयास करेंगे।

आवरण कथा
सरस्वती रमेश

मां त्याग-प्रेम की मूरत है सबसे अनमोल

प्रकृति की हर कृति अपने आप में अनूठी और अनमोल है। लेकिन मां की बात ही कुछ अलग है। मां को प्रकृति की सर्वश्रेष्ठ कृति कहें तो अतिश्योक्ति न होगी। मां की ममता के समक्ष दुनिया के सारे ऐशो-आराम, स्वर्गीय सुख, चमक-दमक फीके हैं। मां के स्नेह में, ममता में जो सुख, तृप्ति और सुकून होता है, उसे दुनिया की कोई शय नहीं दे सकती। इसीलिए उस शख्स को दुनिया में सबसे खुशनसीब माना जाता है, जिसके सिर पर मां की ममता का साया होता है। सच कहें तो मां की उपस्थिति, स्वर्ग से भी अधिक आलौकिक अनुभूति देती है। मां की इस दिव्यता को, विशेषता को मुनव्वर राणा ने अपने एक शेर में यूं समेटा है-

चलती-फिरती हुई आंखों से अज़ां देखी है
मैंने जन्नत तो नहीं देखी है, मां देखी है।

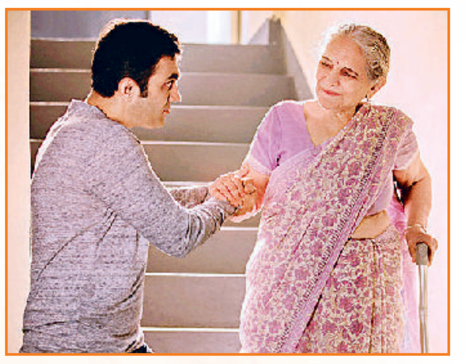

भावनाओं का दरिया है मां: हर मां के हृदय में भावनाओं का दरिया उमड़ता रहता है। यही भावनाएं मां और उसकी संतान के मध्य अनिर्वचनीय रिश्ता कायम करती हैं। एक ऐसा रिश्ता, जिसमें संसार के सभी रिश्तों की तासीर को महसूस किया जा सकता है। एक मां की उसके संतान के प्रति जैसी तड़प, प्रेम, चिंता, समर्पण और त्याग की भावना होती है, ऐसी भावना किसी और रिश्ते-नाते में नहीं देखी जा सकती है। मां अपने बच्चे की सिर्फ जन्मदात्री नहीं होती। वह उसकी प्रथम गुरु, संरक्षक, दोस्त, पालनकर्ता और मार्गदर्शक भी होती है। एक बच्चे को अपनी मां से वह सब कुछ मिलता है, जिसकी उसे वर्तमान में जरूरत है और भविष्य में जरूरत पड़ने की संभावना होती है। वैसे तो बच्चे के इर्द-गिर्द ढेर सारे संबंधों की कतार होती है। लेकिन अपनी मां से उसे जो प्राप्त होता है, उसकी भरपाई दुनिया का कोई भी रिश्ता नहीं कर सकता। नेल्सन मंडेला के शब्दों में कहें तो, 'मां का प्यार सबसे ऊंचा, अशेष और अनपेक्षित होता है।'

रुई के फाहे सा स्नेह: मां का प्यार, उसका स्नेह रुई के फाहे जैसा मुलायम और निर्दोष होता है। वह बच्चे की जरा-सी चोट पर विह्वल होने लगता है। बच्चे को जरा सी भी तकलीफ हो तो मां का मन विचलित होने लगता है। उसका प्यार देखना हो तो उसकी चिंताओं को गौर से देखिए। बच्चे की हर पल की जरूरतों के लिए मां किस हद तक फिक्रमंद होती है। उसकी दिनचर्या का निर्धारण बच्चे की जरूरतों के हिसाब से तय होता है। यहां तक कि उसके सोने-जागने का भी। एक लड़कोरी (नवजात की मां) की नींद कभी पूरी नहीं हो पाती। वो टुकड़ों-टुकड़ों में सोती हैं। बच्चे की रोने की एक आवाज पर अपने खाने की थाली सरका कर उसे पहले दूध पिलाती है। बीमार बच्चे की देख-रेख करने में तो मां अपनी भूख, प्यास, नींद तक बिसरा देती है।

कामयाबी के पीछे मां की भूमिका: किसी इंसान की कामयाबी में उसकी मां की भी भूमिका होती है। ज्यादातर सफल और महान लोगों की कामयाबी के पीछे उनकी मांओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। दुनिया में ऐसे बेशुमार उदाहरण हैं। अमेरिका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अपने संस्मरण में अपनी मां की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में लिखा है,'मेरी मां ने मुझे शिक्षित करने और मेरे भीतर आत्मविश्वास भरने के लिए बहुत मेहनत की। दिन में वह काम पर जाती थीं, इसलिए भोर में चार बजे उठकर मुझे पढ़ाती थीं। हमारी जिंदगी के तमाम उतार-चढ़ाव के बावजूद, मेरी मां ने मुझे हर पल खास महसूस कराया।' ऐसा ही एक और उदाहरण महान वैज्ञानिक थॉमस अल्वा एडिसन के जीवन में भी देखा जा सकता है। उनके महान आविष्कार को सारी दुनिया जानती है। मगर बहुत कम लोगों को पता होगा कि जब वह छोटे थे, तो आम बच्चों की तरह समझदार नहीं थे। उनके अध्यापक उन्हें हमेशा मंदबुद्धि कहते थे। जब उनकी मां, नैंसी को यह बात पता लगी तो वो उन्हें स्कूल से निकाल लाईं और घर पर ही पढ़ाने लगीं। कई साल बाद एडिसन ने अपनी डायरी में लिखा, 'मेरी मां ने ही मुझे बनाया। वह बहुत सच्ची थीं। मुझ पर अथाह भरोसा करती थीं। उनके स्नेह को पाकर मुझे लगा कि मेरे पास भी जीने की कोई वजह है। उन्हें मैं निराश नहीं कर सकता था।'

एक मंदबुद्धि बच्चा एक मां के संकल्प, हौसले और स्नेह की बदौलत उस सदी का जीनियस बन गया। उस मां ने अपने मंदबुद्धि बेटे से घृणा नहीं की। उससे प्रेम किया और उस पर विश्वास किया। मां के स्नेह और विश्वास में चमत्कारिक शक्ति होती है, जो संतान के जीवन को संवार देती है। कामयाबी की ऐसी लाखों कहानियां हैं, जिनके पीछे एक मां का यही विश्वास और अथाह प्रेम है।

मां कभी नहीं बदलती: दुनिया पल-पल बदलती रहती है, लेकिन मां जैसी सदियों पहले हुआ करती थीं, अब भी वैसी ही होती हैं। यानी सदियां गुजर गईं लेकिन अपनी संतान के प्रति मां का प्यार, लगाव और समर्पण बरकरार है। अपने बच्चों को सीने से लगाने वाली, आंचल में सहेजने वाली, उनकी सुरक्षा के लिए ढाल बन जाने वाली और उनकी हर गलती को क्षमा कर देने वाली मां की ममता का मोल नहीं है। लेकिन दुःखद है कि आधुनिकता, स्वार्थी सोच के प्रभाव में कई संतानों का व्यवहार अपनी मां प्रति बदल जाता है।

सोचने वाली बात है कि आखिर जब सदियों में मांओं का अपनी संतान से जुड़ाव नहीं बदला तो संतानों का व्यवहार मां के प्रति क्यों बदल गया? ऐसा क्या हो गया कि सभ्यता के विकास ने हमें ऐसी तहजीब सिखाई, जिसने मां का सम्मान करना भुला दिया? दरअसल, सच यह है कि विकास की चकाचौंध में हम निहायत आत्मकेंद्रित और स्वार्थी होते गए हैं। हम मां की ममता जैसे अमूल्य भाव का सम्मान करना भी भूल गए।

मदर्स-डे की महत्ता: संतोष की बात है कि हमारी इस गलती का एहसास कराने के लिए, जीवन में अपनी मां की महत्ता को याद दिलाने के लिए वर्ष में एक दिन मुकर्रर किया गया है। जिसे हम मदर्स-डे के नाम से मनाते हैं। हालांकि मां अपने बच्चों से हर दिन प्रेम, सम्मान व आत्मीयता की हकदार है। बुढ़ापे में जब उसकी हड्डियां कमजोर पड़ जाती हैं, नजर धुंधली हो जाती है और हाथ कांपने लगते हैं, तब उसे अपने बच्चों का साथ व सहारे की जरूरत होती है। ऐसे में मदर्स-डे हमें 'मां' की उस अमूल्य ममता की याद दिलाता हैं। तो आज मदर्स-डे मनाते हुए हम जरूर संकल्प करें कि हम मां को भरपूर प्यार सम्मान न केवल आज, हर दिन देंगे। उसके चेहरे पर मुस्कान लाने का हर संभव प्रयास करेंगे। *

अनुभूति / डॉ. ऋतु सारस्वत

मां के नाम बेटे की पाती

मां अपने बच्चों को केवल पालती-पोसती ही नहीं, बहुत सरल-सहज तरीके से उसके भीतर संस्कारों के बीज भी रोप देती है। इसका एहसास कई बार वर्षों बाद बच्चे को होता है। अपनी मां के प्रति एक बेटा ऐसी ही भावानुभूतियां पत्र के जरिए यहां व्यक्त कर रहा है।

मेरी प्यारी मां

जीवन में पहली बार आपको कुछ लिखकर भेज रहा हूं। सच कहूं तो समझ में नहीं आ रहा कि कहां से शुरुआत करूं? न जाने कितनी बार लिखा और मिटाया है, हर बार लगता है कि मेरे पास कहने के लिए हजारों शब्द हैं, पर उन्हें एक-दूसरे से जोड़ ही नहीं पा रहा। पता है मां, आज मैं बाजार गया था। पढ़ते-पढ़ते थक गया था, सोचा यूं ही थोड़ा घूम लूं। तभी मेरी नजर एक दुकान में रखे बिंदी के छोटे से पैकेट पर पड़ी और मैंने बिना कुछ सोचे ढेर सारी बिंदियां खरीद लीं। जैसे ही उन्हें हाथों में लिया, यूं महसूस हुआ जैसे आपके ममतामयी हाथ मुझे स्पर्श कर रहे हों। आपकी मुस्कुराहट मेरी आंखों के सामने घूमने लगी और मन किया कि दौड़कर आऊं और आपको जोर से गले लगा लूं। मां , आपकी बहुत याद आ रही है। मां, मुझे आज भी याद है, जब भी आप कहीं बाहर से लौटकर घर आती थीं, तो मैं दौड़कर आपकी गोद में चढ़ जाता था। सबसे पहले आपके माथे से आपकी बिंदी उतार देता था। आप हैरान होकर पूछती थीं- 'बेटा, ऐसा क्यों करते हो?' मैं मासूमियत से कह देता था- 'अगर आपके माथे पर बिंदी लगी रही, तो आप फिर से बाहर चली जाओगी' आप मुस्कुरा देती थीं। मैं आपके और करीब सिमट जाता था। पर मां, बिंदी की यह कहानी यहीं तक नहीं थी। एक दिन मैं बहुत गुस्से में स्कूल से घर लौटा था, क्योंकि मेरी गलती न होने पर भी मेरी टीचर ने मुझे बहुत डांटा था। गुस्से में मैंने कह दिया, 'मेरी टीचर बहुत गंदी है' आपने तुरंत मुझे रोका और समझाया कि बड़ों के लिए ऐसे शब्द नहीं बोलते। फिर आपने मुस्कुराकर कहा, 'और अगर शिकायत करनी भी है, तो कम से कम 'बिंदी' तो लगा लो ' आपकी यह बात सुनकर मैं टकटकी लगाकर आपको देखने लगा और मासूमियत से पूछ बैठा, 'तो क्या मां, मुझे किसी की शिकायत करने के लिए खुद बिंदी लगानी होगी?' आप मेरी बात सुनकर हंस-हंसकर लोट-पोट हो गईं और फिर बोलीं, 'अरे बुद्धू, मैं तुम्हें बिंदी लगाने के लिए नहीं कह रही और तुम बिंदी लगाओगे भी कैसे, तुम तो अभी छोटे से बच्चे हो।' मैंने भी तुरंत कहा, 'मां, मैं छोटा तो हूं ही पर मैं तो लड़का हूं, मैं बिंदी कैसे लगा सकता हूं!' मेरी यह बात सुनकर आप फिर जोर-जोर से हंसने लगीं और मैं थोड़ा खिसियाकर बोला, 'मां, प्लीज बताओ ना' तब आपने बड़े प्यार से समझाया, 'देखो, 'है' के ऊपर जब बिंदी लगती है, तो वह 'हैं' बन जाता है, और बड़ों के लिए हमेशा हमें सम्मानजनक शब्दों का इस्तेमाल करना चाहिए। 'वह आ रही है' हम अपने किसी दोस्त के लिए कह सकते हैं, लेकिन अगर किसी बड़े के लिए कहना हो, तो हमें कहना चाहिए 'वह आ रही हैं।' और ऐसे ही न जाने आपने मुझे कितने उदाहरण देकर समझाया।

मां, पता नहीं आपके शब्दों में क्या जादू था कि उसके बाद मैं कभी यह 'बिंदी' लगाना भूल ही नहीं पाया। मेरी हर बात में, हर संबोधन में अनजाने में ही वह सम्मान जुड़ता चला गया। आपकी यह 'बिंदी' सच में कमाल की है। मां , यह मुझे बहुत बार बिल्कुल अजनबियों के भी करीब ले आती है। हमारे कॉलेज के चौकीदार भैया हों या कमरे में सफाई करने वाली आंटी जब भी मैं उनसे आदर से बात करता हूं, उनके चेहरे पर जो मुस्कुराहट आती है, वह मेरे मन को एक अलग ही सुकून देती है। एक दिन आंटी ने कहा, 'भैया, आप बहुत अच्छे हैं' और उनके ये शब्द सुनकर मुझे ऐसा लगा जैसे तेज गर्मी में अचानक बारिश हो गई हो। मां, मैं बहुत दिनों से आपको यह बताना चाह रहा था कि आपकी यह 'बिंदी' सचमुच बहुत अच्छी है पर कभी मौका ही नहीं मिला। आज जब इस बिंदी के छोटे से पैकेट को हाथ में लिया, तो लगा जैसे किसी ने मेरे हाथ में कलम थमा दी हो और जो बातें इतने दिनों से मन में थीं, वे अपने आप शब्द बनकर बहने लगीं। मां, सच कहूं आपकी यह 'बिंदी' सिर्फ आपके माथे पर लगकर आपको सुंदर नहीं बनाती बल्कि यह मेरे जीवन का सबसे खूबसूरत संस्कार बन गई है, जो हर रोज मुझे एक बेहतर इंसान बनने की राह दिखाती है।

थैंक यू सो मच मां!

-आपका बेटा

गजल / डॉ. ओम निश्चल

मां का प्यार

तुम से लिपट कर सो जाऊं मां
तो दुनिया का सुख पाऊं मां।
गोद तुम्हारी ममता का गढ़
कैसे इसको झुठलाऊं मां।
पुलकित दृष्टि तुम्हारी देखूं
आंखों में ही खो जाऊं मां।
चुपके-चुपके जो गाती हो
उस रुनझुन पर बलि जाऊं मां।
मां का प्यार अलौकिक होता
किस-किस को यह बतलाऊं मां।
मुझे छुपा लो अब आंचल में
इसी सृष्टि में रम जाऊं मां।

लघुकथाएं

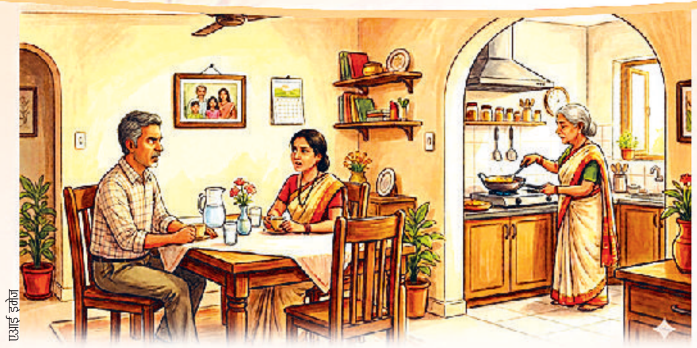

एआई इमेज

स्वाद मां के हाथों का

मां के हाथ के गट्टे की सब्जी का जवाब ही नहीं!' मुंह में एक कौर डालते हुए शोभा के पति राकेश बोल पड़े।

'मैं कितना भी अच्छा खाना बना लूं, पर पता नहीं क्यों इनके मुंह से मेरी प्रशंसा के एक शब्द भी नहीं निकलते?' यह सोचकर शोभा के मन में कहीं ना कहीं अपनी सासू मां के प्रति ईर्ष्या के भाव बने रहते। उसकी सासू मां इन बातों से अनभिज्ञ आए दिन अपने बेटे के लिए नए-नए पकवान बनाती रहतीं। एक बार शोभा के पिताजी की तबियत ज्यादा खराब हो गई। आनन-फानन में वह मायके चली गई। अपने आठ वर्षीय बेटे को भी साथ नहीं ले जा पाई, क्योंकि उसके एग्जाम चल रहे थे। करीब दस दिन वह अपने मायके में रही। पिताजी की तबियत में सुधार होते ही वह अपने घर लौट आई। जैसे ही वह घर आई, उसका बेटा उससे लिपट गया और बड़ी ही मासूमियत से बोला, 'मम्मा आप इतने दिनों के लिए क्यों चली गई थीं? मुझे दादी के हाथ का खाना बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगता था।' 'वो क्या है न बहू, बच्चों को अपने मां का हाथ का खाना ही अच्छा लगता है, क्योंकि बच्चा शुरू से ही अपनी मां के हाथ का खाना ज्यादा खाता है। इसलिए उसके मुंह में वहीं स्वाद चढ़ जाता है। इसके अलावा मां का स्नेह और अपनापन भी तो उस खाने में शामिल होता है।' उसकी सासू मां ने सहज स्वर में कहा। 'इतनी छोटी-सी बात वह कैसे नहीं समझ पाई और बेवजह मां-बेटे से हमेशा चिढ़ती रही।' शोभा मन ही मन में बोली। शोभा के पति उसकी भाव-भंगिमा देखकर उसके अंदर चल रहे भावों को भांप गए। इसलिए उसे देखकर मुस्कुराते हुए बोले, 'तुम भी बहुत अच्छा खाना बनाती हो, वो तो मैं तुम्हें चिढ़ाने के लिए तुम्हारे सामने मां की तारीफ करता रहता हूं।' 'अच्छा...जाइए मैं आपसे बात नहीं करूंगी।' कहकर वह गुस्से में अपने कमरे में चली गई। इस पर राकेश भी उसे मनाने के लिए उसके पीछे-पीछे कमरे में पहुंच गए। *

-शीला श्रीवास्तव

पैसे हैं पर मां नहीं

साहब, मेरी पासबुक देखकर बताइए, क्या खाते में पैसे आए हैं?' बूढ़ी महिला ने गिड़गिड़ाते हुए बैंक क्लर्क प्रमोद से विनती की। 'मांजी, आप से कितनी बार कहा कि आपके खाते में बैलेंस ही नहीं है!' प्रमोद झुंझला कर बोला। 'साहब, मैं बहुत गरीब हूं। खाने-पीने के भी पैसे नहीं हैं। मेरा बेटा हर महीने मुझे तीन हजार रुपए भेजता है।' बूढ़ी औरत रोते हुए बोली। 'भेजता रहा होगा, लेकिन पिछले तीन महीनों से उसने एक भी रुपया नहीं भेजा है, माता जी। मैं आपको पैसे कहां से दे दूं?' प्रमोद झल्लाते हुए बोला। उसकी तेज आवाज सुनकर मैनेजर रूपांग मेहता ने अपने केबिन से बाहर आकर पूछा, 'क्या बात है प्रमोद, मांजी को क्या परेशानी है?' 'सर, ये मांजी रोज आकर बैलेंस चेक करने को कहती हैं। इनके खाते में पैसा ही नहीं है, मैं क्या करूं?' प्रमोद ने जवाब दिया। मेहता साहब ने बूढ़ी महिला की ओर देखा। लगभग सत्तर साल की उस महिला की फटी साड़ी, टूटा चश्मा और हाथ में लाठी, उनकी गरीबी को बयां कर रही थी। 'मांजी, आप रोज क्यों आती हैं?' मेहता साहब ने पूछा। वह बूढ़ी महिला बोली, 'मेरा नाम सविता है साहब। दस साल पहले मेरे पति की शराब पीने की वजह से मौत हो गई थी। मैंने चार घरों में काम करके अपने बेटे मयंक को पढ़ाया और उसे कंप्यूटर इंजीनियर बनाया। पिछले साल उसकी शादी हुई और अब वह बेंगलुरु में नौकरी करता है। वह हर महीने तीन हजार रुपए भेजता था, लेकिन तीन महीने से खाते में पैसे आ ही नहीं रहे है। लगता है शायद पैसे गलती से किसी और खाते में जा रहे होंगे। मेरे पास दवा और खाने के भी पैसे नहीं हैं। आंखों में भी मोतियाबिंद है, काम भी नहीं हो पाता।' यह कहते हुए सविता रो पड़ी। मेहता साहब का दिल भर आया। उन्होंने पूछा, 'क्या आप के पास बेटे का नंबर है?' सविता ने एक मुड़ा-तुड़ा कागज उनकी ओर बढ़ा दिया। मेहता साहब ने उस नंबर पर फोन लगाया। दूसरी ओर से फोन उठा तो वह बोले, 'हैलो, मयंक से बात करवा दीजिए।' दूसरी तरफ से किसी महिला ने पूछा, 'मैं उनकी पत्नी माया बोल रही हूं, मयंक बाहर गए हैं। आप कौन बोल रहे हैं?' 'मैं बिलासपुर से बैंक मैनेजर रूपांग मेहता बोल रहा हूं। आपकी सास यहां आई हुई हैं, मयंक ने तीन महीने से उन्हें पैसे नहीं भेजे क्या?' 'अरे सर, कब तक पैसे भेजते रहेंगे उनको? हमारी भी जरूरतें हैं। हम लोग सिंगापुर घूमने का प्लान बना रहे हैं।' माया ने बेरुखी से कहा। 'लेकिन मांजी के पास खाने और दवा के पैसे भी नहीं हैं!' मेहता साहब थोड़ा तल्खी से बोले। 'तो हम क्या करें? क्या हमने उनका ठेका ले रखा है? कहीं भी चली जाएं, किसी वृद्धाश्रम में क्यों नहीं चली जातीं?' इतना कहकर माया ने फोन काट दिया। यह सुनकर मेहता साहब स्तब्ध रह गए। कैसे बेटे-बहू हैं? उन्होंने माताजी से बिना कुछ कहे अपने खाते से तीन हजार रुपए निकाले और सविता को देते हुए कहा, 'लो मांजी, आपके बेटे ने पैसे भेज दिए हैं।' सविता की आंखों में खुशी के आंसू छलक उठे, 'भगवान आप का भला करे।' कह कर वह रो पड़ी। 'अब आप का बेटा हर महीने पैसे भेजेगा।' मेहता साहब बोले। सविता खुश होकर चली गई। उनके जाने के बाद प्रमोद ने आश्चर्य से पूछा, 'सर, आपने अपने पास से पैसे दे दिए?' मेहता साहब भावुक होकर बोले, 'मैं भी गरीब परिवार से हूं। मेरे पिता की मृत्यु के बाद मेरी मां ने मजदूरी करके मुझे पढ़ाया। मैं सोचता था कि जब पैसे कमाऊंगा तो मां के सारे सपने पूरे करूंगा। लेकिन सात साल पहले जब मेरी नौकरी लगी तभी मेरी मां चल बसीं। जब मां थी, तब पैसे नहीं थे और आज पैसे हैं, पर मां नहीं हैं। इसीलिए इस मां की बेबसी मुझसे देखी नहीं गई।' *

-वीरेंद्र बहादुर सिंह

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

ताकि बचा रहे आदमीपन

हाल में युवा कवयित्री रूपम मिश्र का दूसरा कविता संग्रह 'हंसी और देस' प्रकाशित होकर आया है। ये कविताएं हमारे समय, समाज और देश की तमाम स्याह-श्वेत छवियां उजागर करती हैं। देशज भाषा के रचाव और लोकजीवन के राग ने इन कविताओं के निहितार्थ को और भी प्रभावी बना दिया है। *'जीत के आसार न देखते हुए भी लड़ना/ लड़ाई की परंपरा को जिंदा रखना था।'* जैसी पंक्तियां उस सतत संघर्ष को प्रतिबिंबित करती हैं, जो आदमीपन को बचाए रखने के लिए जरूरी है। यहां स्त्री विमर्श की कोरी नारेबाजी नहीं, सदियों पुरानी उस कंडीशनिंग की पड़ताल की गई है, जिसने स्त्रियों के एक वर्ग को चेतनाशून्य बनाकर हर हाल में पुरुषों की सेविका बनने को बाध्य कर रखा है। *'जो मार खा लेती हैं फिर उठकर उन्हीं मर्दों के लिए सबसे अच्छा अचार/सबसे ज्यादा स्वाद वाली सब्जी बना देती हैं।'* प्रेम को भी रूपम, बनी-बनाई परिभाषा से इतर बिल्कुल अलग भावभूमि पर उतरकर महसूसती और व्यक्त करती हैं। इसकी बानगी *'हमने देखा एक-दूसरे को ऐसे जैसे/भूख की यातना में जिया मनुष्य रोटी को देखता हो।'* जैसी पंक्तियों में देखी जा सकती है। *

पुस्तक: हंसी और देस (कविता संग्रह), **लेखिका:** रूपम मिश्र,
मूल्य: 250 रुपए, **प्रकाशक:** लोकभारती पेपरबैक्स, प्रयागराज

नैसर्गिक सौंदर्य से समृद्ध खूबसूरत देश किर्गिस्तान

घूमना किसे अच्छा नहीं लगता! खासकर जब नैसर्गिक सौंदर्य से समृद्ध देश में जाने का अवसर मिले। मध्य एशिया में स्थित किर्गिस्तान ऐसा ही एक छोटा सा और बेहद खूबसूरत देश है। हाल में एक सप्ताह की किर्गिस्तान यात्रा से लौटी लेखिका वहां के अनुभव साझा कर रही हैं अपनी जुबानी।

ट्रैवलॉग
सोनल भारद्वाज

आमतौर पर कहा जाता है कि दुनिया में यदि कहीं स्वर्ग है तो वह देश है स्विटजरलैंड। वैसे हमारा कश्मीर भी कौन सा कम है! लेकिन किस्मत से हाल में हमें एक नए स्वर्ग से रूबरू होने का अवसर मिला, जिसे किर्गिस्तान के नाम से जाना जाता है। इसे मध्य एशिया का स्विटजरलैंड कहते हैं। इस देश का 90 प्रतिशत इलाका पहाड़ी है, जबकि मात्र 10 प्रतिशत आवासीय। 7.50 मिलियन आबादी वाला यह देश सोता कम है, जागता ज्यादा है क्योंकि यहां सूरज शाम 7.30 से 8 के बीच ढलता है।

साफ-सुथरा शहर राजधानी बिश्केक: जब हमारी फ्लाइट ने किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक के एयरपोर्ट में लैंड किया तो वहां का मौसम बड़ा खुशगवार दिखा। तापमान मात्र आठ डिग्री। बारिश ने हमारा वहां स्वागत किया। अकसर अप्रैल-मई के महीने में वहां बारिश होती है। हल्की ठंड और बारिश की वजह से अप्रैल के महीने में हमें जुलाई-अगस्त का अनुभव हुआ।

एयरपोर्ट से बाहर जिस टैक्सी पर हम बैठे, उसका चालक थोड़ी-बहुत इंग्लिश जानता था, तो हमारा काम आसान हो गया। वैसे वहां के लोग भारतीय फिल्म कलाकारों के बहुत दीवाने हैं। टैक्सी ड्राइवर न केवल थोड़ी-बहुत हिंदी भी बोल ले रहा था बल्कि उसकी टैक्सी में भारतीय फिल्मों के गाने भी बज रहे थे, जिसे हम भी गुनगुनाने लगे।

परिश्रमी-अनुशासित लोग: बिश्केक में घूमने के दौरान हमने महसूस किया कि किर्गिस्तान के नागरिक मेहनती, अनुशासित और स्वच्छता-पसंद हैं। वे ट्रैफिक नियमों का पूरा पालन करते हैं, यही वजह रही है कि हमने जहां एक तरफ गाड़ियों की कतारें देखीं लेकिन कोई हॉर्न बजाता नहीं सुना। व्यस्ततम सड़कों पर जहां एक तरफ गाड़ियों के काफिले थे तो उसी रोड पर बच्चों को बेहिचक साइकिलिंग करते भी देखा। 4 से 5 साल तक के बच्चे भी आराम से सड़कों पर साइकिल पर घूमते मस्ती करते हुए दिखे, क्योंकि सब ट्रैफिक रूल का पालन करते हैं। इसलिए वहां दुर्घटना की संभावना भी काफी कम रहती है। वहां पार्कों में बहुत शांति, धैर्य के साथ ज्यादातर महिला पुरुष अपने छोटे-छोटे बच्चों के साथ बैठे बात करते नजर आते हैं। सड़क के बीचों-बीच पार्कों में चहलकदमी करना इस देश के लोगों को खूब पसंद है। बिश्केक शहर साफ-सुथरा दिखता है, इसकी बड़ी वजह है यहां किसी को गंदगी फेंकते या थूकते हुए देखे जाने पर पांच हजार रुपए का जुर्माना लगता है। शहर में कई बाग-बगीचे हैं। स्थानीय नागरिक इनका उपयोग टहलने, मनोरंजन करने और जॉगिंग करने में करते हैं।

तियान शान पर्वतमाला में स्थित इसिक कूल झील

दुनिया की सबसे बड़ी प्राइवेट मेडिकल यूनिवर्सिटी: एयरपोर्ट से होटल पहुंचने तक राजधानी बिश्केक की खूबसूरती के हमने कई नजारे देखे। भारतीय दूतावास पर अपना राष्ट्र ध्वज तिरंगा लहराते देखना, हमारी यात्रा का सबसे गौरवशाली दृश्य था। गीत याद आ गया, 'ऐ देश मेरे, तेरी शान पे सदके...।' कुछ ही देर में हम होटल पहुंच गए। चेकइन करने, फ्रेश होने के बाद हम इंटरनेशनल हायर स्कूल ऑफ मेडिसिन संस्थान (आईएचएसएम) के परिसर की ओर निकल पड़े। बताते चलें कि हम किर्गिस्तान, शैक्षणिक भ्रमण पर गए थे। रूस और किर्गिस्तान, विश्वस्तरीय शिक्षा संस्थान के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं। इन्हीं में से एक इंस्टीट्यूट है आईएचएसएम। संस्थान के प्रबंधन ने हमारा स्वागत किर्गिस्तानी रिवाज से किया। स्थानीय युवाओं ने हमें लोकल फोक म्यूजिक 'अलदशपा' सुनाया तो हम सब झूम उठे। हमारी टीम ने वहां पर अध्ययनरत भारतीय विद्यार्थियों से देर तक मुलाकात की। इस संस्थान में भारतीय छात्रों के अलावा, अमेरिका, रूस, जॉर्जिया, चीन, पाकिस्तान जैसे देशों से छात्र एमबीबीएस करने आते हैं, क्योंकि चिकित्सा शिक्षा यहां पर ज्यादा सस्ती और सरल है। आईएचएसएम, किर्गिस्तान में सन 2003 में स्थापित प्राइवेट इंस्टीट्यूट्स में सबसे बड़ा संस्थान है। यहां कैंपस का माहौल, खान-पान, भाषा और संस्कृति, पूरी तरह हिंदुस्तानी परिवेश जैसा लगता है।

इसिक कूल झील-तियान शान पर्वतमाला: आईएचएसएम देखने के बाद हम तियान शान पर्वतमाला के विशाल पहाड़, दुनिया की सबसे ऊंचाई वाले इलाके में स्थित इसिक कूल झील और मनमोहक घाटियां देखने, वहां की सांस्कृतिक विरासत को महसूस करने के लिए लालायित थे। ऊंची पर्वतमालाओं के बीच टेढ़े-मेढ़े रास्तों से गुजरते हुए लगभग 4.30 घंटे के सफर के बाद हम इसिक कूल झील पहुंच गए। किर्गिज भाषा में इसीक्कुल का अर्थ होता है 'गरम झील' जो उत्तर-पूर्वी किर्गिस्तान में, तियान शान पर्वतमाला के बीचों-बीच स्थित है। यह कैस्पियन सागर के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी खारे पानी की झील है। यह झील, गहराई के मामले में भी दुनिया में सातवें नंबर पर आती है। ऐतिहासिक प्रमाण बताते हैं कि झील की गहराई में 2,500 साल पुराने एक प्राचीन शहर के अवशेष मिले हैं, जो कभी सिल्क रूट (रेशम मार्ग) का एक प्रमुख व्यापारिक केंद्र था। झील के अलावा यह क्षेत्र अपने क्रिस्टल-क्लियर पानी, बर्फ से ढंकी चोटियों, पैरासेलिंग व ट्यूबिंग जैसी रोमांचक गतिविधियों के लिए भी प्रसिद्ध है। हमने यहां काफी देर रुककर तियान शान और पामीर-अलाई पर्वतमालाओं के भी दर्शन किए। किर्गिज नागरिक प्रकृति से बेहद प्यार करते हैं इसलिए उन्होंने जंगल, पहाड़, नदियों को बचाए रखा है। यही नहीं स्थानीय नागरिकों के आवास भी हरियाली से सजे दिखाई देते हैं। *

भारतीय व्यंजनों का मिला आनंद

किर्गिस्तान का खान-पान पूरी तरह मांसाहार पर केंद्रित है, लेकिन राजधानी बिश्केक में 4 से 5 इंडियन रेस्टोरेंट भी हैं, जो भारतीयों द्वारा ही संचालित किए जा रहे हैं। यहां खाना बनाने वाले शेफ भी भारत से ही बुलाए गए हैं, ताकि भारतीय स्वाद यहां आने वाले छात्रों और अन्य लोगों को मिल सके। यहां पाकिस्तानी नागरिक भी काफी संख्या में हैं। किर्गिस्तान में ड्राय फ्रूट्स और फ्रूट्स बहुत अच्छी क्वालिटी के मिलते हैं, क्योंकि यहां की जमीन में लोग केमिकल उर्वरकों का इस्तेमाल नहीं करते हैं। किर्गिस्तान मूल रूप से मुस्लिम कंट्री है, लेकिन यह मुस्लिम देश होते हुए भी यह महसूस ही नहीं होने देता कि किसी एक परंपरा या धर्म से बंधा हो। किर्गिस्तान में महिला और पुरुष को समान दृष्टि से देखा जाता है, सभी को बराबरी का हक है। स्थानीय बाजारों में महिलाएं व्यापार करती खूब दिखाई देती हैं। अपनी यात्रा के अनुभव के आधार पर हम कह सकते हैं कि केवल नैसर्गिक सौंदर्य के मामले में ही नहीं महिला अधिकार और स्वतंत्रता के मामले में भी दुनिया के लिए किर्गिस्तान, आदर्श देश माना जा सकता है।

सेल्फ इंप्रूवमेंट
नरेंद्र कुमार

वर्कप्लेस कोई भी हो एंप्लॉई की इंपॉर्टेंस उसके वर्किंग स्टाइल और उसके बिहेवियर से तय होती है। अगर आप भी चाहते हैं कि वर्कप्लेस पर आप सबसे इंपॉर्टेंट एंप्लॉई माने जाएं तो आपको यहां बताए जा रहे सजेशंस को फॉलो करना होगा।

फॉलो करें ऐसी वर्किंग स्टाइल ऑफिस में बढ़ाएं अपनी इंपॉर्टेंस

हर वर्किंग प्रोफेशनल की यह चाहत होती है कि ऑफिस में उसकी इमेज, उसकी वैल्यू दूसरों से अच्छी हो। इंपॉर्टेंट एंप्लॉइज में उसकी गिनती हो। इंपॉर्टेंट एंप्लॉई बनने के लिए खुद को ऐसा बनाएं कि आपके बिना काम स्मूदली न हो पाए या कोई भी जरूरी फैसला लेते समय आपको उसमें शामिल करना जरूरी हो जाए। याद रखिए, यह पोजीशन किसी को खुद ब खुद नहीं मिल जाती बल्कि इस स्थिति में पहुंचने के लिए स्मार्ट और समझदारी से काम करना होता है। इसके अलावा आपमें कुछ क्वालिटीज का होना भी जरूरी है।

रिप्लेसेबल से इरिप्लेसेबल बनिए: हर दफ्तर के दो तरह के एंप्लॉई होते हैं, एक जो केवल अपना काम करते रहते हैं। दूसरे ऐसे एंप्लॉई जिनके बिना ऑफिस के कई काम अटक जाते हैं, कोई बड़ा फैसला नहीं लिया जा सकता है। आपको यह दूसरा कर्मचारी बनना है ताकि आपकी गिनती ऑफिस के सबसे महत्वपूर्ण एंप्लॉइज में हो। ऐसा बनने के लिए आपको कुछ बातें अमल में लानी चाहिए। जैसे दफ्तर में आपका जो दायित्व है, उसके एक्सपर्ट बन जाएं। ऐसी स्किल में कमांड हासिल करें, जो ऑफिस में दूसरे लोगों के पास न हो। ।

प्रॉब्लम सॉल्वर बनिए: दफ्तर में अधिकतर लोग समस्या बताने में माहिर होते हैं। लेकिन इंपॉर्टेंट एंप्लॉई उसे माना जाता है, जो बॉस को प्रॉब्लम तो बताए, साथ ही यह भी कहे कि इस प्रॉब्लम को कैसे सॉल्व किया जा सकता है। हर बॉस को अपने अंडर ऐसे सहयोगी चाहिए होते हैं, जो केवल प्रॉब्लम्स के बारे में ही न बताए, पर उन गलतियों को हल करने की काबिलियत भी रखे। अगर आपको ऑफिस में इंपॉर्टेंट बनना है तो प्रॉब्लम सॉल्वर बनिए, न कि प्रॉब्लम रिपोर्टर।

जिम्मेदार बनिए: जो भी काम आपको मिले, उसे जिम्मेदारी से पूरा करें। उसे न करने या टालने के बहाने न बनाएं। तय समय सीमा के भीतर अगर काम नहीं होता, तो काम करने का भी कोई महत्व नहीं रह जाता है। इसलिए डेडलाइन के भीतर काम पूरा करने की आदत डालें।

काम दिखना भी चाहिए: यह सच है कि अगर आप दिखेंगे नहीं, तो आप महत्वपूर्ण भी नहीं माने जाएंगे। इसलिए काम करें और दफ्तर में महत्वपूर्ण समय पर मौजूद रहें। अपने किए हुए काम की अपडेट उन लोगों तक पहुंचाएं, जिनको आपके द्वारा किए गए काम से मतलब है। बॉस के साथ होने वाली मीटिंग में बोलें और अपनी बात को संक्षिप्त और स्पष्ट तरीके से सबके सामने रखें। वैल्यू और विजिबिलिटी मिलकर ही किसी एंप्लॉई को उसके वर्कप्लेस में महत्वपूर्ण बनाती है।

बॉस के 'गो टू पर्सन' बनिए: हर दफ्तर में एक या दो लोग ऐसे होते हैं, जिन पर बॉस आंख मूंदकर भरोसा करते हैं, क्योंकि जब-जब मौका मिला, उन्होंने खुद को इसके लायक सही साबित किया होता है। बॉस का 'गो टू पर्सन' बनना मुश्किल नहीं है, सिर्फ करना यह होता है कि बॉस द्वारा दिए गए काम को समय पर, साफ-सुथरे ढंग से और परफेक्ट तरीके से करें ताकि बॉस के काम को आप आसान बना सकें।

अपने संवाद कौशल को बढ़ाएं: अगर दफ्तर का महत्वपूर्ण कर्मचारी बनना है तो संवाद कला में माहिर होना भी जरूरी है। बात साफ और संक्षिप्त करें। अपने ई-मेल और मैसेज प्रोफेशनल रखें। लोगों को कोई बात समझानी हो तो इस तरह समझाएं कि उन्हें आसानी से आपकी बात समझ में आ जाए। अगर आपमें यह क्षमता है, तो आप निश्चित ही अपने वर्कप्लेस के महत्वपूर्ण एंप्लॉई हैं।

लोगों से कनेक्ट रहें: प्रोफेशनल लाइफ में भी पर्सनल कनेक्शन बनाना जरूरी होता है। जहां भी रहें, वहां हमेशा महत्वपूर्ण लोगों के साथ अपना एक कनेक्ट डेवलप करें। अगर किसी कंपनी के एक विभाग में काम कर रहे हैं, तो अन्य विभाग के कुलीग्स से भी कनेक्ट करें। ये कुछ ऐसे गुण हैं, जिनके होने पर आप अपने दफ्तर के महत्वपूर्ण कर्मचारी बन जाएंगे। *

मातृ दिवस विशेष

आज के डिजिटल दौर में रिश्तों की दूरियां कम करने में तकनीक की बड़ी भूमिका हो गई है। तकनीक, मां और उनके दूर रह रहे बच्चों के बीच संवाद को भी नया आयाम दे रही है। इसके विविध पहलुओं पर एक नजर।

डिजिटल दौर में मिल रहा मां-बच्चे के रिश्ते को नया आयाम

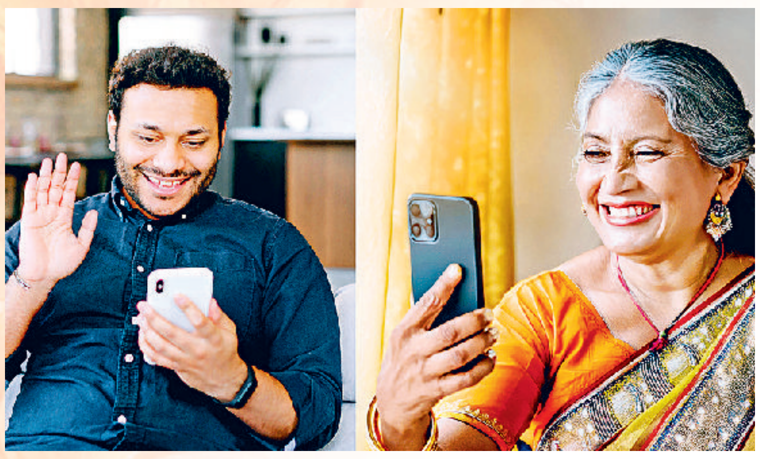

टेक्नो-इंपैक्ट
नम्रता नदीम

एक समय था, जब मां की आवाज घर के आंगन से आती थी, रसोई से आती थी, दरवाजे के पार वाली देहरी से आती थी और चेहरे की झलक से ही सारे स्नेह की भाषा पढ़ ली जाती थी। आज बच्चे पढ़ाई के लिए, नौकरी या बेहतर अवसरों की तलाश में, घर से दूर दूसरे शहर या दूसरे देशों में भी रह रहे हैं। ऐसे में मांएं अपने बच्चों से आधुनिक संचार तकनीक के जरिए ही जुड़ी होती हैं। ऐसे ही तकनीकी साधनों में व्हाट्सएप, वीडियो कॉल और सोशल मीडिया के तमाम दूसरे माध्यम उपलब्ध हैं।

डिजिटल युग में रिश्तों का नया आयाम: आज तकनीक बदल गई है, जीवन जीने का ढंग बदल गया है। डिजिटल युग ने रिश्तों को एक नया आयाम दिया है और इसमें मां का उसके बच्चों के साथ रिश्ता भी शामिल है। वास्तव में सूचना तकनीक ने बच्चों और मां के रिश्तों में अभूतपूर्व बदलाव ला दिया है। आज बच्चे देश-विदेश में कहीं हों, जब उन्हें मां की याद आती है, झट वीडियो कॉल लगा देते हैं और सामने मां दिखने लगती है। मां को सामने देखते हुए बात करने पर लगता है कि जैसे कोई दूरी ही न हो। बच्चों को यह एहसास होता है कि जैसे मां उनके बिल्कुल करीब बैठी, उनसे बतिया रही है। उसके चेहरे की हर भाव-भंगिमा को पढ़ने की सुविधा भी नई तकनीक ने उपलब्ध करवा दी है। आज शहर के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में रहने वाली मांएं अपने बच्चों के साथ सहजता से स्मार्ट फोन चलाती हैं। अपने बच्चों को तरह-तरह के व्हाट्सएप मैसेज भेजती हैं। वीडियो कॉल करके उनके हालचाल पूछना, यह जानना कि खाना खाया कि नहीं, खाना खाया तो क्या खाया? और इस सबको सिर्फ सुनने में ही नहीं अपनी आंखों से भी देखने का सुख मांएं आधुनिक मीडिया तकनीक के जरिए ले रही हैं।

सुकून देता है यह बदलाव: आज के दौर की मांओं का अपने बच्चों के साथ डिजिटल रिश्ता बड़ा दिलचस्प हो गया है। वे इसके जरिए न सिर्फ बच्चों के साथ संपर्क में रहती हैं बल्कि आधुनिक जीवन की सारी जरूरी गतिविधियों को भी सीखती हैं या सीखने की कोशिश करती हैं। मैसेजिंग, इमोजी आदि अभिव्यक्ति के इन नए तरीकों से मांएं भी समृद्ध हो रही हैं और इनके बच्चे भी। जब मांएं और बच्चे एक-दूसरे से ऑडियो कॉल पर बात करते हैं, उस समय मां का 'मैं ठीक हूं' कहना और वीडियो कॉल पर 'हां, मैं ठीक हूं' कहने में फर्क होता ही नहीं दिखता भी है। वीडियो कॉल में साफ दिखता है कि मां वाकई ठीक है या नहीं। यह तकनीकी बदलाव सुकून देता है, क्योंकि भले मां और उसके बच्चे के बीच दूरी हो, लेकिन भावनाओं का जुड़ाव इस दूरी के बाद भी डिजिटल तकनीक के जरिए बना रहता है।

ऐसे में बच्चों का भी फर्ज बनता है कि जब वे मां से बात करें तो सिर्फ उसमें शब्द ही न हों या सिर्फ संदेश ही न भेजे जाएं बल्कि मां से बात करने के जरिए अपनी उपस्थिति को भी व्यक्त करें। उन्हें बिना किसी कारण और बिना किसी अनुमान के फोन करें और देर तक बातें करें। इससे मां को बहुत खुशी मिलेगी।

मेल-मिलाप भी है जरूरी: अगर मां आधुनिक डिजिटल तकनीक से पूरी तरह अनभिज्ञ हो, तो कई बार उनके लिए यह बदलाव जटिल हो जाता है। उन्हें व्हाट्सएप्प यूज करना या वीडियो कॉल करना उलझन भरा लग सकता है। इन तकनीकों का उपयोग आज भले ही आम हो गया है, लेकिन मां की भावनाएं अब भी पारंपरिक हैं। देखा जाए तो तकनीक ने संवाद को चाहे जितना आसान बनाया हो, लेकिन संवाद की गहराई को कम कर दिया है। मांएं अपने बच्चों के साथ गहरा भावनात्मक जुड़ाव चाहती हैं। मां-बच्चे का भले ही लगातार फोन से संपर्क बना रहे। इस फोन से रिश्तों का कारवां भले ठीकठाक चलता दिखे, लेकिन मां-बच्चे के इस रिश्ते में वास्तविक मेल-मिलाप बहुत जरूरी होती है। तकनीक चाहे जितनी जीवंत लगे, मां के साथ साल में कुछ दिन जरूर गुजारें। इससे इस डिजिटल दौर में मां और आपके बीच रिश्तों की ऊर्जा जीवंत बनी रहेगी। यानी तकनीक का उपयोग करने पर भौतिक संपर्क की महत्ता को अनावश्यक मानना गलत है। इसलिए जब आप वास्तव में अपनी जॉब या पढ़ाई की वजह से दूर हों तब तो तकनीक का यूज ठीक है लेकिन मौका मिलने पर मां से जरूर मिलें। *

तकनीक से मिलता है मां को सुकून

- विभिन्न सर्वेक्षणों के दौरान यह देखा गया है कि 99 फीसदी मांएं घर से बाहर रह रहे अपने बच्चों से हर दिन बातें करती हैं। इनमें से करीब आधी तो हर दिन एक बार वीडियो कॉल भी करती हैं।
- जब मांएं डिजिटल तकनीक के जरिए बच्चों से वीडियो कॉल के जरिए बात करती हैं, तो वह सिर्फ उनका चेहरा भर नहीं देखतीं, उनकी खुशी, उनका दुःख, उनकी सेहत सब कुछ वो देख लेती हैं, इससे उन्हें सुकून और तसल्ली मिलती है।

सिने ट्रेंड
हर्ष

हिंदी फिल्मों और फिल्मी गीतों में मां के महत्व को खूबसूरती और प्रमुखता से उभारा जाता रहा है। खासतौर पर फिल्मों में मां पर केंद्रित कई ऐसे हृदयस्पर्शी गीत रचे गए हैं, जो सीधे दिल में उतरते हैं। मां पर केंद्रित दिल को छू लेने वाले ऐसे ही कुछ फिल्मी गीतों पर एक नजर।

मां को समर्पित गीतों से गुलजार है बॉलीवुड

मां और बच्चे का संबंध बीज और वृक्ष के संबंध जैसा गहरा, विस्तृत और अविवेचनीय होता है। इसलिए मां और बच्चे के बीच अनोखे रिश्ते को शब्दों में व्यक्त कर पाना आसान नहीं है। फिर भी बॉलीवुड फिल्मों में अनेक गीतकारों ने समय-समय पर इस अनोखे प्यारे रिश्ते को अपने भावपूर्ण गीतों में व्यक्त किया है।

तुझे सब है पता, है न मां: प्रसून जोशी का लिखा और शंकर महादेवन का गाया गाना *'तुझे सब है पता, है न मां..'* फिल्म 'तारे जमीन पर' का है। यह गीत हर किसी के दिल को छूता है। जैसे यह गीत न हो हर बच्चे के दिल से निकली आवाज हो। हम सब ऐसे ही तो होते हैं बचपन में, जो बात अपनी मां से किसी कारणवश नहीं कह पाते उस बात को भी हमारी मां जान लेती है। भूख लगने पर हमें क्या खाना है, यह हमसे बेहतर हमारी मां को पता होता है। हमारी खुशी-गम, डर-चिंता, पसंद-नापसंद सब से वाकिफ होती है हमारी मां। *'मैं तुझे बतलाता नहीं, पर अंधेरे से डरता हूं मैं मां/तुझे सब है पता, है न मां'* एक बच्चे की मासूम पुकार है यह गीत, जो हर मां की रूह तक पहुंचता है।

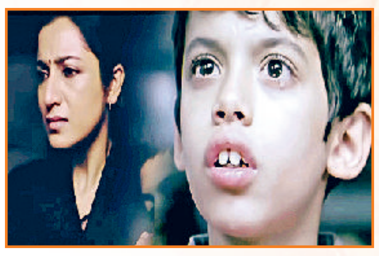

फिल्म 'तारे जमीं पर'

फिल्म 'रंग दे बसंती'

तू कितनी अच्छी है, तू कितनी भोली है: 'राजा और रंक' फिल्म का यह गीत *'तू कितनी अच्छी है, तू कितनी भोली है..'* अभिनेत्री निरूपा राय और बाल कलाकार महेश कोठारे पर फिल्माया गया है। लता मंगेशकर की मनमोहक आवाज ने गाने के बोल में मां के लिए प्रयोग किए गए प्रतीकों और शब्दों को और भी मुलायम और हृदयस्पर्शी बना दिया है। मां असल में क्या होती है, उसकी विशाल हृदयता और उसकी ममता की उदात्तता को इस छोटे से गीत में समेट कर गागर में सागर भर दिया गया है। आनंद बख्शी के लिखे इस गीत को संगीतबद्ध किया है संगीतकार जोड़ी लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल ने।

फिल्म 'राजा और रंक'

तेरी उंगली पकड़ के चला, ममता के आंचल में पला: 'लाडला' फिल्म का गीत *'तेरी उंगली पकड़ के चला, ममता के आंचल में पला..'* एक बेटे की भावुक स्वीकारोक्ति है। वह स्वीकार करता है कि जीवन पथ पर उसकी मां ने उसे चलना सिखाया। जीवन के इस सफर में मिलने वाली धूप से बचाने के लिए हर वक्त मां ने उसे अपनी ममता की छांव तले सहेज कर रखा। मां के बिना उसका जीवन कुछ भी नहीं। मां और उसके बेटे के बीच मधुर रिश्ते की चाशनी में छनकर निकला यह गीत जितना अर्थपूर्ण है उतना सुरीला भी। यह गीत फरीदा जलाल और अनिल कपूर पर फिल्माया गया है। समीर के लिखे इस गीत को उदित नारायण और ज्योत्सना ने अपनी आवाज दी है।

फिल्म 'लाडला'

लुका छुपी बहुत हुई, सामने आ जा ना: फिल्म 'रंग दे बसंती' में प्रसून जोशी का लिखा गीत, *'लुका छुपी बहुत हुई, सामने आ जा ना..'* बेटे की मौत पर एक मां की व्याकुलता और ममता को एक साथ जोड़ने का कमाल करता है। गीत में मां अपने बेटे से संवाद करते हुए कहती है, *'लुका छुपी बहुत हुई/सामने आ जा ना/कहां-कहां ढूंढा तुझे/थक गई है तेरी मां'*।

गीत के दृश्य में बेटे की चिता सामने जल रही है और मां इस सदमे से अपनी सुध-बुध खो बैठती है। उसके कलपते हृदय से बोल निकल रहे हैं- *'आजा सांझ हुई मुझे तेरी फिकर/धुंधला गई देख मेरी नजर आ जा ना।'* आंखों को नम कर देने वाले इस भाव पूर्ण गीत को गाया है स्वर सम्राज्ञी लता मंगेशकर और एआर रहमान ने।

मां जैसी दुनिया में है कोई कहां: गीतकार अंजान का लिखा और किशोर कुमार का गाया लोकप्रिय गीत *'मां जैसी दुनिया में है कोई कहां..'* फिल्म 'पांच कैदी' का है। इस गीत के जरिए यह भाव प्रकट किया गया है कि मां जैसा दुनिया में कोई नहीं हो सकता। इसीलिए मां को धरती पर साक्षात ईश्वर का स्वरूप माना जाता है। इसीलिए तो मां का स्थान सबसे ऊपर माना जाता है। इन सभी भावों को इस गीत की आगे की पंक्तियों में बड़ी ही खूबसूरती से पिरोया गया है, *'मां तो है मां/मां तो है मां/मां जैसी दुनिया में है कोई कहां/ओ मां ओ मां//मां तू ही मंदिर/मां तू ही पूजा/पूजा का वरदान मां/ये लोक तू है/परलोक तू है/तुझमें है दोनों जहां।'*

फिल्म ' पांच कैदी'

ऐ मां, तेरी सूरत से अलग भगवान की सूरत क्या होगी: मां को भगवान के समतुल्य मानने वाले भावों को वर्ष 1966 में प्रदर्शित हुई फिल्म 'दादी मां' के एक गीत में भी व्यक्त किया गया है। उस गीत के बोल हैं *'ऐ मां, तेरी सूरत से अलग भगवान की सूरत क्या होगी। उसको नहीं देखा हमने कभी पर इसकी जरूरत क्या होगी..'* मजरूह सुल्तानपुरी के इस भावपूर्ण गीत को संगीत से संवारा था रोशन ने और अपनी आवाज दी थी, महेंद्र कपूर और मन्नाडे ने। *